आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 86 | उज्जैन, रविवार 16 फरवरी 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रुपया

मुख्यमंत्री डॉ. यादव से भेंट कर श्री टेक डेटा लिमिटेड के सीईओ ने प्रदेश में 9100 करोड़ रूपये के निवेश का दिया प्रस्ताव

डेटा सेंटर, ग्रीन हाइड्रोजन, सौर ऊर्जा और ट्रांसमिशन सेक्टर में करेंगे निवेश

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से शुक्रवार को श्री टेक डेटा लिमिटेड कंपनी के सीईओ श्री विजय आनंद ने भेंट की। उन्होंने प्रदेश में डेटा सेंटर, ग्रीन हाइड्रोजन, सौर ऊर्जा और ट्रांसमिशन सेक्टर में निवेश की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत कर 9100 करोड़ रूपये के निवेश का प्रस्ताव दिया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव से प्रदेश में उन्नत बुनियादी ढांचे और तकनीकी विस्तार पर चर्चा हुई। श्री टेक डेटा लिमिटेड ने इंदौर में 4 हजार करोड़ रूपये की लागत से डेटा सेंटर स्थापित करने, बीना (सागर) में 3 हजार करोड़ रूपये की लागत से ग्रीन हाइड्रोजन प्लांट विकसित करने, उज्जैन में 600 करोड़ रूपये के निवेश से सोलर पॉवर यूनिट स्थापित करने और उज्जैन में ही बिजली ट्रांसमिशन एवं वितरण अवसंरचना के लिए 1500 करोड़ रूपये के निवेश प्रस्ताव दिये। बैठक में जिला उद्योग केंद्र भोपाल के जीएम श्री कैलाश मानेकर भी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश निवेशकों के लिए देश के सबसे अनुकूल स्थलों में से एक बन चुका है। मजबूत बुनियादी ढांचे, सुलभ नीतियों और अनुकूल औद्योगिक वातावरण होने से वैश्विक कंपनियाँ प्रदेश में निवेश के लिए आकर्षित हो रही हैं। श्री टेक डेटा लिमिटेड के सीईओ श्री आनंद ने कहा कि यह निवेश प्रदेश में डिजिटल और हरित ऊर्जा क्रांति को गति देगा, जिससे अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे का विकास होगा और हजारों नए रोजगार के अवसर सृजित होंगे। उन्होंने परियोजनाओं के शीघ्र कार्यान्वयन के लिए राज्य सरकार से नीति समर्थन, भूमि आवंटन और अन्य आवश्यक सहयोग का अनुरोध किया।

श्री टेक डेटा लिमिटेड का यह निवेश मध्यप्रदेश के औद्योगिक और आर्थिक विकास को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इससे न केवल तकनीकी और ऊर्जा क्षेत्रों में प्रदेश अग्रणी राज्य बनेगा बल्कि स्थानीय युवाओं और स्टार्ट-अप्स को भी नए अवसर प्राप्त होंगे।

मेकअप नहीं किया मैम, आईएएस अधिकारी की पोस्ट पर कमेंट; हाहा वाली इमोजी बना फंस गया शख्स

नई दिल्ली (एजेंसी)। फेसबुक महिला अधिकारी पर किए गए एक कॉमेंट पर इमोजी बनाकर भी असम का एक युवक मुसीबत में फंस गया। ढेकियाजुली के रहने वाले युवक ने महिला अधिकारी की पोस्ट पर किए गए एक कमेंट पर केवल हंसने वाली इमोजी बना दी थी। मामला तो पुराना है लेकिन कोकराझार की कोर्ट ने जनवरी महीने में युवक को समन भेजा है। अप्रैल 2023 में युवक ने फेसबुक पर रिएक्ट किया था। पुलिस ने इस मामले में कोकराझार कोर्ट में चार्जशीट फाइल की है। युवक का नाम अमित चक्रवर्ती बताया गया है। कोकराझार की डिस्ट्रिक्ट डिप्टी कमिश्नर वरनाली डेका की पोस्ट पर उसने रिएक्शन दिया था। डेका ने उसके खिलाफ केस दर्ज करवा दिया। डेका ने दो अन्य लोगों के खिलाफ भी केस दर्ज करवाया था। इसमें कमेंट करने वाला युवक भी शामिल है। युवक ने नो मेकअप कमेंट किया था। डेका ने आरोप लगाया कि युवकों ने साइबर स्टॉकिंग और सेक्सुअली अपमानजनक टिप्पणी की है। डेका की पोस्ट पर नरेश बरुआ ने कमेंट किया था। उन्होंने लिखा, आज आपने मेकअप नहीं किया मैम। इसी पर चक्रवर्ती ने लाफिंग इमोजी बना दी। डेका ने भी कमेंट का जवाब दिया और कहा, तुम्हारी दिक्कत क्या है? इस कमेंट को लेकर केस दर्ज कराया गया।

कोटा में केमिकल फैक्ट्री से गैस लीक, दम घुटने से स्कूल के कई बच्चे बेहोश

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोटा में एक केमिकल प्लांट से गैस का रिसाव होने के कारण कई स्कूली बच्चों की हालत बिगड़ गई। उन्हें सांस लेने में दिक्कत होने लगी और दम घुटने से वे बेहोश हो गए। चारों ओर अफरातफरी मच गई।

स्कूल के कर्मचारी बच्चों को लेकर तुरंत अस्पताल भागे। कई बच्चों को उल्टियां हुईं। गांव के भी दो लोगों को भर्ती कराया गया है। कुछ बच्चों की हालत काफी गंभीर है, जिन्हें कोटा जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

स्कूल के पास है फैक्ट्री- ये गैस लीक चंबल फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल लिमिटेड के प्लांट में हुआ। फैक्ट्री के पास ही एक सरकारी हायर सेकेंडरी स्कूल स्थित है। फैक्ट्री और स्कूल की बाउंड्री एक-दूसरे से जुड़ी हुई है। जैसे ही फैक्ट्री से अमोनिया गैस छोड़ी गई, बच्चों की तबियत बिगड़ने लगी।

अधिकारियों ने बताया कि अस्पताल में 15 बच्चों, एक स्टाफ और दो गांव वालों को लाया गया है। घटना सिमलिया गांव की है। कलेक्टर में फैक्ट्री का दौरा किया गया। अभी तक गैस लीकेज को लेकर कोई वजह सामने नहीं आई है।

गरज उठा बेंगलुरु का आसमान, अमेरिकी-रूसी और भारतीय फाइटर जेट ने दिखाए करतब

नई दिल्ली (एजेंसी)। एयरो इंडिया 2025 के आखिरी दिन शुक्रवार को बेंगलुरु के येलहंका एयरफोर्स स्टेशन पर शानदार एयर शो हुआ। यहां रूसी और अमेरिकी लड़ाकू विमानों को एक ही स्थान पर दिखाया गया।

विमानों की रफ्तार से बेंगलुरु का आसमान गरज उठा। एयर शो देखने के लिए भारी संख्या में भीड़ भी जमा हुई थी। वायु सेना स्टेशन येलहंका पर खास बात यह हुई 60 वर्षीय अनुभवी रूसी परीक्षण पायलट सर्गेई बोगदान ने Su-57 को उड़ाया।

अपनी प्रतिभा को दिखाते हुए रूसी परीक्षण पायलट सर्गेई बोगदान ने आसमान में पांच टन वजनी फाइटर जेट स्ह्वद्बद्धश्व 57 को नचा दिया। बोगदान ने दिल को थाम देने वाला करतब दिया जब उन्होंने विमान को 600 मीटर पर घुमाया।

भारत अपने लगभग 60 फीसदी रक्षा उपकरणों के लिए रूस पर निर्भर है, लेकिन यूक्रेन में युद्ध ने भविष्य की आपूर्ति के बारे में संदेह बढ़ा दिया है, और अब भारत सरकार अमेरिका, इजरायल, ब्रिटेन और अन्य की ओर अधिक ध्यान दे रही है।

रूसी Su-57 फेलॉन और अमेरिकी निर्मित लॉकहीड मार्टिन स्न-35 - दोनों प्रतिद्वंद्वी देशों द्वारा बनाए गए उन्नत पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमानों ने बेंगुलुरु के येलहंका स्टेशन से उड़ान भरी और एयरो इंडिया 2025 अंतरराष्ट्रीय एयरशो में दोनों की भागीदारी ऐसे समय में हुई है जब भारत अपनी पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू अंतर को पाटने की कोशिश कर रहा है।

ड्रोन ने टैंक और तोपखाने को छोड़ा पीछे, यह नई क्रांति जिसे पीएम मोदी समझ नहीं पाए- राहुल गांधी

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मौजूदा समय में युद्ध क्षेत्र और दूसरी जगहों पर ड्रोन की उपयोगिता पर बातचीत की। उन्होंने शनिवार को दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसकी क्रांति को समझने में असफल रहे हैं। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने ड्रोन और उससे जुड़ी टेक्नोलॉजी को लेकर वीडियो अपने यूट्यूब चैनल पर अपलोड किया। उन्होंने कहा, %ड्रोन ने संचार के लिए बैटरी, मोटर और ऑप्टिक्स के संयोजन से युद्ध के क्षेत्र में क्रांति ला दी है। ड्रोन सिर्फ प्रौद्योगिकी नहीं हैं, बल्कि वे एक मजबूत औद्योगिक प्रणाली से संचालित निचले स्तर के नवाचार हैं। उन्होंने युद्ध क्षेत्र को ही बदल दिया है। टैंक, तोपखाने और यहां तक कि विमान वाहक को कम प्रासंगिक बना दिया है।% राहुल गांधी ने कहा कि यह क्रांति सिर्फ युद्ध के बारे में नहीं है। यह उद्योग, एआई और टेक्नोलॉजी की अगली पीढ़ी के बारे में है। उन्होंने कहा, 'दुर्भाग्य से प्रधानमंत्री मोदी इसे समझने में असफल रहे हैं। जबकि वह्ढ पर टेलीप्रॉम्प्टर की मदद से भाषण देते हैं। हमारे प्रतिस्पर्धी नई प्रौद्योगिकियों में महारत हासिल कर रहे हैं।' उन्होंने कहा कि असली शक्ति सिर्फ ड्रोन बनाने में नहीं है, बल्कि इलेक्ट्रिक मोटर, बैटरी, ऑप्टिक्स और उत्पादन नेटवर्क को नियंत्रित करने में भी है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, 'अगर हम उत्पादन को नियंत्रित नहीं करते हैं तो हम एआई या प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नेतृत्व नहीं कर सकते।' राहुल

क्या लोकतंत्र खतरे में है? विदेशी धरती पर एस जयशंकर से सवाल; दिखा दी स्याही वाली उंगली

नई दिल्ली (एजेंसी)। जर्मनी के म्यूनिख में सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस के दौरान विदेश मंत्री एस जयशंकर से लोकतंत्र को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने बड़े ही शानदार तरीके से इशारों में ही जवाब दे दिया। उनसे सवाल किया गया था कि क्या दुनियाभर में लोकतंत्र खतरे में है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने वोट के अधिकार और लोकतंत्र को लेकर अपने विचार भी रखे। उनके साथ नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास स्टोर, अमेरिकी सांसद एलिसा स्लॉटकिन और अन्य देशों के प्रतिनिधि मौजूद थे।

ट्रंप ने रेसिप्रोकल टैरिफ का किया एलान, क्या होता है टैरिफ और कैसे इससे ग्राहकों पर बढ़ेगा बोझ

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिका के दौरे पर गए थे और इस दौरान उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात भी की। दोनों नेताओं की मुलाकात की बहुत सारी तस्वीरें सामने आई है। पीएम मोदी से मिलने से ठीक 2 घंटे पहले अमेरिका ने भारत समेत सभी देशों पर जैसे को तैसा टैरिफ (रेसिप्रोकल टैरिफ) लगाया है।

रेसिप्रोकल टैरिफ यानी जो देश अमेरिकी सामान पर जितना टैरिफ लगाएगा, अमेरिका भी उस देश के सामान पर उतना ही टैरिफ लगाएगा। ट्रंप ने इससे जुड़े नए टैरिफ पॉलिसी पर गुरुवार को हस्ताक्षर किए थे। ट्रंप ने भारत पर बहुत ज्यादा टैरिफ लगाने का आरोप भी लगाया है।

इस आर्टिकल में जानेंगे कि आखिर टैरिफ लगाने की वजह से ग्राहकों पर कितना बोझ बढ़ेगा और आयातित चीजें कितनी महंगी हो जाएगा?...

टैरिफ क्या होता है- अंतरराष्ट्रीय व्यापार में टैरिफ या कस्टम ड्यूटी का अर्थ है किसी वस्तु के आयात पर लगाया जाने वाला शुल्क। आयातक यह शुल्क सरकार को देते हैं। इसका बोझ आमतौर पर अंतिम उपभोक्ता पर डाला जाता है।

उदाहरणः अगर किसी वस्तु की कीमत 100 है और उस पर 10त्न टैरिफ लगता है, तो उसकी कीमत 110 हो जाएगी। टैरिफ अप्रत्यक्ष टैक्स होते हैं। ये किसी देश की आय का स्रोत होते हैं। एंटी-डंपिंग ड्यूटी, काउंटरवेलिंग ड्यूटी और सेफगार्ड ड्यूटी भी टैरिफ ही हैं।

रेसिप्रोकल और रिटैलिएटरी टैरिफ में क्या अंतर है- रेसिप्रोकल टैरिफ यानी पारस्परिक शुल्क और रिटैलिएटरी टैरिफ या प्रतिशोधात्मक शुल्क में कोई खास फर्क नहीं है। ये तब लगाए जाते हैं जब कोई देश ट्रेड पार्टनर द्वारा शुल्क बढ़ाने के जवाब में शुल्क लगाता है।

टैरिफ लगाना कितना है जरूरी- घरेलू उद्योग को सस्ते आयात से बचाने के लिए, लोकल प्रोडक्ट्स को बढ़ावा देने और विदेशी प्रोडक्ट्स की बाजार प्रतिस्पर्धा कम करने के मकसद से देश टैरिफ लगाते हैं।

टैरिफ किस तरह के प्रभाव डाल सकता है- ऊंची दरों पर टैरिफ लगाने से महंगाई बढ़ती है। घरेलू उद्योग के लिए इनपुट लागत भी बढ़ जाती है।

ट्रंप को कैसे डील करना है, यह दुनियाभर के नेता सीखें

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी मीडिया में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वाशिंगटन यात्रा की खूब तारीफ हो रही है। दो दिवसीय अमेरिकी यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। दोनों नेताओं ने रक्षा, व्यापार और रक्षा सहयोग पर मंथन किया।

डोनाल्ड ट्रंप के साथ पीएम मोदी के अंदाज की अमेरिकी मीडिया में खूब तारीफ हो रही है। एक अमेरिकी पत्रकार ने कहा कि ट्रंप को पीएम मोदी ने बेहतरीन तरीके से डील किया। दोनों नेताओं की मुलाकात दुनियाभर के अन्य नेताओं के लिए मास्टर क्लास है।

पीएम मोदी के मुरीद हुए ट्रंप- पीएम मोदी अमेरिका में थे। तभी डोनाल्ड ट्रंप ने सभी देशों पर रिसिप्रोकल टैरिफ लगाने की बात कही। मतलब यह है कि जो देश अमेरिका पर जितना टैरिफ लगाएगा, बदले में अमेरिका भी उतना ही टैरिफ लगाएगा।

ट्रंप भारत को टैरिफ किंग भी कह चुके हैं। मगर पीएम मोदी ने ट्रप को बेहतरीन तरीके से डील किया। इसका नतीजा यह हुआ कि ट्रंप ने खुद कहा कि वह पीएम मोदी से मिलकर उत्साहित हैं। ट्रंप ने पीएम मोदी को एक महान नेता बताया और यह भी कहा कि भारत और अमेरिका कुछ अहम व्यापार सौदे करने जा रहे हैं।

ट्रंप के साथ बातचीत की मास्टर क्लास- सीएनएन के वरिष्ठ पत्रकार विल रिप्ले ने एक्स पर लिखा कि हमने देखा है कि जापानी प्रधानमंत्री इशिबा के बाद भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की डोनाल्ड ट्रंप के साथ एक बेहद सकारात्मक बैठक हुई। यह दुनिया भर के अन्य नेताओं के लिए एक मास्टर क्लास है कि वे राष्ट्रपति ट्रंप के साथ बातचीत कैसे करें?

पीएम मोदी ने असाइनमेंट को समझा- विल रिप्ले ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप के साथ अपनी आठवीं बैठक के दौरान भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने असाइनमेंट को समझा। यह बुरा हो सकता था। प्रधानमंत्री मोदी उसी दिन डीसी में थे, जिस दिन ट्रंप ने खतरनाक रिसिप्रोकल टैरिफ की घोषणा की थी। व्यापार से जुड़े तनाव के बावजूद दोनों पक्ष संभावित व्यापार सौदे, ऊर्जा और सैन्य क्षेत्र में आगे बढ़ हैं।

दोनों पक्षों को लाभ हुआ- विल ने आगे कहा कि बैठक के बाद हमने देखा कि बैठक के बाद दोनों नेताओं ने समझौतों की घोषणा की। दोनों देश व्यापार सौदे पर बातचीत को तेज करेंगे। भारत को परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में अमेरिका से अधिक निवेश मिल रहा है। अमेरिका ने एफ-35 (स्टेल्थ फाइटर) जेट देने की पेशकश की है। इससे दोनों पक्षों को लाभ हुआ है।

अमेरिका में अब ट्रांसजेंडर नहीं बन पाएंगे सैनिक, सेना ने भर्ती पर तत्काल प्रभाव से लगाई रोक

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी सेना ने घोषणा की है कि वह अब ट्रांसजेंडर लोगों को सेना में भर्ती होने की अनुमति नहीं देगी और सेवा सदस्यों के लिए लिंग परिवर्तन से संबंधित प्रक्रियाओं को सुविधाजनक बनाना बंद कर देगी। अमेरिकी सेना ने कहा कि यह निर्णय तुरंत लागू किया जाता है। आर्मी ने एक्स पर लिखा कि जेंडर डिस्फोरिया की हिस्ट्री वाले व्यक्तियों के लिए सेना में भर्ती होने पर रोक लगा दी गई है।

अमेरिकी सेना ने एक्स पर दी जानकारी एक्स पर साझा की गई पोस्ट की में, अमेरिकी सेना ने लिखा कि अमेरिकन आर्मी अब ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को सेना में शामिल होने की अनुमति नहीं देगी और सेवा सदस्यों के लिए लिंग परिवर्तन से जुड़ी प्रक्रियाओं को निष्पादित करना या सुविधा प्रदान करना बंद कर देगी। अधिक जानकारी के लिए हमारे साथ बने रहें।

इसमें आगे कहा गया है कि तत्काल प्रभाव से, लिंग डिस्फोरिया के इतिहास वाले व्यक्तियों के लिए सभी नए प्रवेश रोक लगा दी गई है और सेवा सदस्यों के लिए लिंग परिवर्तन की पुष्टि या सुविधा से जुड़ी सभी अनिर्धारित, अनुसूचित या नियोजित चिकित्सा प्रक्रियाओं को रोक दिया गया है।

27 जनवरी को ट्रंप ने किए थे कई कार्यकारी आदेशों पर हस्ताक्षर- सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, 27 जनवरी को, ट्रंप ने घोषणा की कि उन्होंने कई कार्यकारी आदेशों पर हस्ताक्षर किए हैं, जो सेना को नया आकार देंगे, जिसमें ट्रांसजेंडर सेवा सदस्यों को अमेरिकी सेना में सेवा करने से प्रतिबंधित करना शामिल है।

कभी भी करिए कॉल, ट्रंप ने जेलेंस्की को दिया पर्सनल फोन नंबर, यूक्रेनी राष्ट्रपति का दावा

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस-यूक्रेन के बीच करीब तीन साल से अधिक समय से युद्ध चल रहा है। दोनों देशों के बीच इस युद्ध को रोकने के लिए तमाम प्रयास किए जा रहे हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी कहा है कि दोनों देशों के बीच युद्ध समाप्त होना चाहिए। इस बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने एक बड़ा दावा किया है। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने दावा किया कि अमेरिका के प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप ने उनको अपना निजी फोन नंबर दिया है। जेलेंस्की ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस सप्ताह की शुरुआत में नेताओं के बीच हुई बातचीत के दौरान उन्हें अपना निजी फ़ोन नंबर दिया था।

एनडीटीवी के अनुसार, यूक्रेनी राष्ट्रपति ने म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में कहा कि डोनाल्ड ट्रंप ने मुझे अपना फोन नंबर दिया है। जेलेंस्की ने बताया कि ट्रंप ने मेरे से कहा था कि आप कभी भी मेरे को कॉल कर सकते हैं। जानकारी दें कि यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की वर्तमान में रूसी नागरिकों से मिलने के लिए तैयार नहीं हैं। उन्होंने म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में कहा कि वह रूस के राष्ट्रपति से तभी मुलाकात करेंगे, जब अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप के साथ एक आम योजना पर सहमति बन जाएगी।

स्टारशिप का हीटशील्ड गिफ्ट किया, परिवार के साथ पीएम मोदी से मिलने पहुंचे... किस तैयारी में जुटे हैं एलन मस्क?

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने अमेरिका विजिट के दौरान उद्योगपति एलन मस्क से मुलाकात की। मस्क मोदी से मिलने के लिए अपने तीन बच्चों और पार्टनर के साथ आए थे। इस दौरान मस्क ने पीएम मोदी को स्पेसएक्स की स्टारशिप टेस्ट फ्लाइट 5 का हीटशील्ड गिफ्ट किया।

ये हेक्सागोनल सिरेमिक हीटशील्ड टाइल स्पेसक्राफ्ट को वायुमंडल में री-एंट्री के दौरान अत्यधिक हीट से बचाती है। पिछले साल अक्टूबर में स्पेसएक्स ने साउथ टेक्सस से अपना स्टारशिप व्हीकल लॉन्च किया था। बदले में पीएम मोदी ने मस्क के बच्चों को किताबें गिफ्ट दीं।

स्टारलिंक की भारत में होगी एंट्री- मस्क से पीएम मोदी की मुलाकात बेहद अहम मानी जा रही है। एलन मस्क भारतीय बाजार में अपने सैटेलाइट इंटरनेट सर्विस स्टारलिंक को लॉन्च करने के लिए काफी उत्सुक हैं। हालांकि भारत में स्टारलिंक की एंट्री में कई पेच हैं, जिसमें रेगुलेटरी चैलेंज, सुरक्षा संबंधी चिंताएं और मुकेश अंबानी की जियो जैसी घरेलू टेक दिग्गजों से प्रतिस्पर्धा शामिल है।

भारत-अमेरिका के संयुक्त बयान से तिलमिला उठा पाकिस्तान, किस बात को लेकर टेंशन में शहबाज शरीफ?

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान परस्त आतंकी संगठनों को लेकर भारत-अमेरिका के संयुक्त बयान से पाकिस्तान तिलमिला गया है। संयुक्त बयान में पाकिस्तान से कहा गया है कि वह मुंबई आतंकी हमले और पठानकोट हमले के दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करे। इस बयान पर पाकिस्तान ने शुक्रवार को आपत्ति जताई।

बता दें कि पाकिस्तान के विदेश विभाग के प्रवक्ता शफकत अली खान ने कहा कि हम भारत-अमेरिका संयुक्त वक्तव्य में पाकिस्तान के विशिष्ट संदर्भ को एकतरफा, भ्रामक और राजनयिक मानदंडों के विपरीत मानते है।

पाकिस्तान किस बात की जताई चिंता- उन्होंने अमेरिका द्वारा भारत को हथियारों की बिक्री पर चिंता जताते हुए कहा कि इससे क्षेत्र में सैन्य असंतुलन बढ़ेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार (भारत के समय के अनुसार शुक्रवार सुबह) वाशिंगटन में बैठक के दौरान पाकिस्तान से 26/11 मुंबई हमलों के अपराधियों को शीघ्र न्याय के कटघरे में लाने का आह्वान किया।

पीएम मोदी और डोनाल्ड ट्रंप के बीच हुई बात - डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में पीएम मोदी पहली बार दो दिवसीय अमेरिका की यात्रा पर पहुंचे। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में पीएम मोदी की मेजबानी की। इस दौरान दोनों नेताओं ने आतंकवाद समेत तमाम मुद्दों पर विचार विमर्श किया।

दोनों देश आतंकवाद की लड़ाई में साथ खड़े- संयुक्त प्रेस ब्रीफिंग में पीएम मोदी ने कहा कि भारत और अमेरिका आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में मजबूती से एक साथ खड़े हैं।

दोनों पक्ष इस बात पर सहमत हैं कि सीमा पार आतंकवाद को खत्म करने के लिए ठोस कार्रवाई आवश्यक है। दोनों नेताओं ने कहा कि आतंकवाद के वैश्विक संकट से लड़ा जाना चाहिए।

ट्रंप प्रशासन ने सरकारी अधिवक्ता किए बर्खास्त, अन्य अमेरिकी विभागों में छंटनी के निर्देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। बदलाव और खर्चों में कटौती के अपने लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए ट्रंप प्रशासन ताबड़तोड़ फैसले लेने में जुटा हुआ है। पूर्व की बाइडन सरकार के समय नियुक्त बहुत से सरकारी अधिवक्ताओं को हटाने के लिए ट्रंप प्रशासन ने आदेश जारी कर दिए हैं।

इस कदम से निवर्तमान सरकारी अधिवक्ता आहत- ट्रंप प्रशासन द्वारा बर्खास्त करने के इस कदम से निवर्तमान सरकारी अधिवक्ता आहत हैं। कई का कहना है कि सरकार बदलने के साथ ही वे पद छोड़ने की औपचारिकता पूरी करने के लिए तैयार थे। नई सरकार त्यागपत्र देने के लिए उनसे कह सकती थी लेकिन उन्हें बर्खास्त करना अपमानजनक है।

प्रशासन द्वारा सरकारी अधिवक्ताओं के लिए जारी पत्र में कहा गया है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड जे ट्रंप के निर्देशानुसार आपको तत्काल प्रभाव से बर्खास्त किया जा रहा है। पता चला है कि सिएटल, मैरीलैंड और कई अन्य शहरों-प्रांतों के कई सरकारी अधिवक्ता यह पत्र मिलने से पहले ही अपने पद छोड़ चुके हैं।

दूतावासों में 10 प्रतिशत कर्मी कम करने के निर्देश- ट्रंप प्रशासन ने विश्व भर में स्थित अपने दूतावासों को कर्मियों की संख्या 10 प्रतिशत कम करने का निर्देश दिया है।

ट्रंप के साथ अदाणी मुद्दे पर चर्चा नहीं हुई, पीएम मोदी बोले- हमारा विचार दर्शन वसुधैव कुटुंबकम है

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि उनकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात के दौरान उद्योगपति गौतम अदाणी के खिलाफ लगाए गए रिश्वतखोरी के आरोपों पर चर्चा नहीं हुई। उन्होंने कहा कि जब दो वैश्विक नेता मिलते हैं तो ऐसे व्यक्तिगत मामलों पर चर्चा नहीं की जाती।

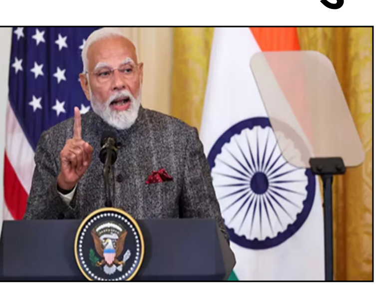

अमेरिका की एक अदालत में अदाणी के खिलाफ चल रहा मुकदमा- व्हाइट हाउस में प्रेस वार्ता के दौरान पीएम मोदी से पूछा गया था कि क्या उन्होंने कथित रिश्वतखोरी में शामिल होने को लेकर न्यूयार्क की एक अदालत में अदाणी और उनके प्रमुख सहयोगियों पर चल रहे मुकदमे का मुद्दा उठाया।

इस पर उन्होंने कहा, सबसे पहले, भारत एक लोकतांत्रिक देश है और हमारी संस्कृति और हमारा विचार दर्शन वसुधैव कुटुंबकम है। हम पूरी दुनिया को एक परिवार मानते हैं। मेरा मानना है कि हर भारतीय मेरा है। दो देशों के दो प्रमुख नेता ऐसे व्यक्तिगत मामलों पर कभी चर्चा नहीं करते हैं।

अदाणी पर रिश्वत देने का आरोप- ट्रंप ने प्रेस वार्ता के दौरान इस मामले का कोई जिक्र नहीं किया। पिछले वर्ष अमेरिकी न्याय मंत्रालय ने अदाणी समूह के प्रमुख गौतम अदाणी, उनके भतीजे सागर और प्रमुख कार्यकारी अधिकारी विनीत जैन पर आरोप लगाया था कि वे भारतीय अधिकारियों को करीब 2,100 करोड़ रुपये की रिश्वत देने की कथित साजिश का हिस्सा थे। यह रिश्वत कथित रूप से सौर बिजली की आपूर्ति के लिए ठेका हासिल करने के लिए दी गई थी। हालांकि अदाणी समूह ने सभी आरोपों को खारिज किया है।

150 अफसर, 60 हजार घंटे की मेहनत... कैसे तैयार किया गया नया इनकम टैक्स बिल, पुराने कानून से कितना अलग?

नई दिल्ली (एजेंसी)। वित्त वर्ष 2025-26 का बजट पेश होने के बाद से ही इस बात की चर्चा शुरू हो गई थी कि सरकार नया इनकम टक्स बिल पेश किया जाएगा। गुरुवार को वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने बिल पेश भी कर दिया और इसे प्रवर समिति के पास भेजने का आग्रह किया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शुक्रवार को निचले सदन की 31 सदस्यीय प्रवर समिति का गठन किया। कमेटी को संसद के अगले सत्र के पहले दिन तक अपनी रिपोर्ट सौंपनी होगी। इस बिल को बनाने में 150 अफसरों की कमेटी ने काफी मशक्कत की है।

क्यों पड़ी नये बिल की जरूरत- नये आयकर बिल को लाने का उद्देश्य आयकर से जुड़े विवादों को कम करना है। मौजूदा इनकम टैक्स बिल 1961 में पारित किया गया था। यह 1 अप्रैल 1962 से प्रभावी हो गया था। लेकिन इसमें 65 बार में 4000 से ज्यादा संशोधन किए गए हैं।

नये इनकम टैक्स बिल को तैयार करने में 60 हजार से ज्यादा घंटे लगे। 150 अफसरों की टीम ने मिलकर इसे तैयार किया। इसके लिए 20,976 ऑनलाइन सुझाव मिले।

चर्च के अंदर मिले मंदिर के अवशेष, शुरू हुई पूजा; अनोखा इतिहास भी आया सामने

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल में एक चर्च के कैंपस में खुदाई के दौरान मंदिर के अवशेष मिलने के बाद वहां पूजा अर्चना करने की अनुमति दी गई है। केरल के पलाई में एक कैथोलिक चर्च की जमीन पर खुदाई के दौरान प्राचीन मंदिर के अवशेष मिले हैं। इस जगह से शिवलिंग समेत कई धार्मिक चिन्ह सामने आए हैं, जिसके बाद इलाके चर्चा आम हो गई। दिलचस्प बात यह है कि चर्च प्रशासन ने सौहार्दपूर्ण रवैया अपनाते हुए हिंदू समुदाय को वहां पूजा अर्चना करने की इजाजत दे दी है। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, 1.8 एकड़ की इस जमीन पर जब कसावा (टैपियोका) की खेती के लिए खुदाई हो रही थी, तभी ये अवशेष नजर आए। यह स्थान श्री वनदुर्गा भगवती मंदिर से करीब 1 किलोमीटर की दूरी पर है। मंदिर समिति के लोग भी इस खोज से हैरान हैं और उन्होंने इस स्थान पर देवप्रश्नम (पूजा अनुष्ठान) आयोजित करने का फैसला किया है ताकि मंदिर के इतिहास और इसकी पवित्रता को लेकर सही मार्गदर्शन मिल सके। श्री वनदुर्गा भगवती मंदिर समिति के सदस्य विनोद केएस ने बताया कि 4 फरवरी को यह अवशेष मिले थे, लेकिन इसकी जानकारी स्थानीय लोगों को दो दिन बाद मिली, जब वहां दीये जलाए गए।

यूनिवर्सिटी ने 17 छात्रों को किया सस्पेंड, सस्पेंशन नोटिस में लिखी ये बातें

नई दिल्ली (एजेंसी)। वामपंथी संगठन ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन ने जामिया मिलिया इस्लामिया में सोमवार को कक्षाओं के बहिष्कार का आह्वान किया है। छात्र संगठन का दावा है कि 17 छात्रों को निलंबित करने के बाद विश्वविद्यालय ने दो पीएचडी शोधार्थियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई के विरोध में इन छात्रों को निलंबित कर दिया है।

यूनिवर्सिटी की कोई प्रतिक्रिया नहीं- हालांकि, विश्वविद्यालय ने निलंबन के छात्रों के दावों पर अभी तक कोई प्रतिक्रिया जारी नहीं की है। विवाद तब शुरू हुआ जब विश्वविद्यालय ने पिछले साल दिसंबर में कथित तौर पर अनधिकृत विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व करने के लिए दो पीएचडी विद्वानों को निलंबित कर दिया था।

प्रशासन ने छात्रों पर लगाया यह आरोप- विश्वविद्यालय प्रशासन ने अपने कार्यों का बचाव करते हुए कहा कि विरोध प्रदर्शनों से शैक्षणिक गतिविधियां बाधित हुईं और संपत्ति को नुकसान पहुंचा, जिसमें केंद्रीय कैंटीन में तोड़फोड़ और सुरक्षा सलाहकार कार्यालय का गेट तोड़ना भी शामिल है।

सस्पेंशन नोटिस में लिखी ये बातें - हालांकि, छात्र कार्यकर्ताओं ने तर्क दिया कि प्रशासन असहमति को दबाने का प्रयास कर रहा है। जामिया की कार्रवाई से हलचल मच गई और कई छात्रों ने दावा किया कि उन्हें निलंबन नोटिस मिले हैं।

ISI और रॉ एक ही घर में कैसे रह सकते हैं? असम के CM हिमंत ने कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई पर साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा और कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई के बीच उनकी पत्नी के पाकिस्तान के साथ कथित संबंध को लेकर जुबानी जंग शनिवार को भी जारी रही।

असम के मुख्यमंत्री ने एक दिन पहले कहा था कि वह लोकसभा में कांग्रेस के विपक्ष के उपनेता पर स्पष्टीकरण चाहते हैं कि ISI और रॉ एक ही घर में एक साथ कैसे रह सकते हैं?

सीएम सरमा ने किए तीखे सवाल - असम के मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को संवाददाताओं से बात करते हुए कहा, हम किसी पर आरोप नहीं लगा रहे हैं, लेकिन हम चाहते हैं कि कुछ तथ्य सामने आएं। मेरे कुछ सवाल हैं।

क्या यह सच है या झूठ कि सांसद की पत्नी पाकिस्तान में काम करती थी?

क्या उन्होंने भारतीय नागरिकता ली है या नहीं?

अगर सांसद इस दौरान पाकिस्तान गए थे और पाकिस्तान के राजदूत से मुलाकात के दौरान उन्होंने विदेश मंत्रालय से अनुमति ली थी या नहीं?

आईएसआई और रॉ एक ही घर में कैसे रह सकते हैं?

भाजपा ने गौरव गोगोई की पत्नी की नागरिकता पर उठाए सवाल- बता दें, सरमा के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं और नेताओं ने एक वर्ग द्वारा गौरव गोगोई की पत्नी एलिजाबेथ गोगोई की विदेशी नागरिकता पर सवाल उठाए जाने और उन पर आईएसआई के साथ संबंध रखने का आरोप लगाए जाने के बाद गौरव गोगोई विवाद के केंद्र में आ गए हैं।

उन्होंने उस बैठक पर भी सवाल उठाया जो गोगोई ने दस साल पहले 2015 में भारत में तत्कालीन पाकिस्तानी उच्चायुक्त के साथ की थी। हालांकि, कांग्रेस के सांसद ने इस मामले पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, असम के मुख्यमंत्री पर अपनी स्थिति को लेकर बेचैन और असुरक्षित होने का आरोप लगाया।

किस राज्य में कौन सी चल रही मुफ्त योजना, सुप्रीम कोर्ट क्यों चिंतित? फ्रीबीज से सबक नहीं, सत्ता ले रहे सियासी दल

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में फ्रीबीज यानी मुफ्त की रेवड़ियों पर सख्त टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा कि लोगों को मुख्यधारा में लाने की बजाय क्या हम परजीवियों का एक वर्ग नहीं तैयार कर रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि लोग काम करने को तैयार नहीं हैं। इसकी वजह यह है कि उन्हें मुफ्त राशन और पैसा दिया जा रहा है। चुनाव से पहले मुफ्त की रेवड़ियों के एलान से देश की शीर्ष अदालत चिंतित हैं। मगर राजनीतिक दल इन चिंताओं को समझेंगे या नहीं... यह कह पाना मुश्किल है।

सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी के बाद मुफ्त की रेवड़ियों पर देशभर में नई बहस शुरू हो गई है। ऐसे में आइए जानते हैं कि ये क्या है... राजनीतिक दलों के सामने मजबूरी क्या है, राज्यों पर क्या असर होता है, कल्याणकारी योजनाओं से कितना अलग? किस राज्य में कौन-कौन सी मुफ्त की रेवड़ी बांटी जा रही।

क्या है फ्रीबीज- फ्रीबीज की कोई तय परिभाषा नहीं है। मगर बेहद कम समय में लक्षित आबादी को ध्यान में रखकर लोगों को मुफ्त में वस्तुएं एवं सेवाओं को देने को ही फ्रीबीज कहा जाता है। 2022 की अपनी रिपोर्ट में आरबीआई ने फ्रीबीज को एक लोक कल्याणकारी उपाय के तौर पर परिभाषित किया है, इन्हें मुफ्त में प्रदान किया जाता है। फ्रीबीज का इस्तेमाल राजनीतिक दल अधिकतर चुनाव के दौरान मतदातओं को लुभाने में करते हैं। सभी राजनीतिक दलों के बीच मुफ्त बिजली देने का वादा सबसे लोकप्रिय फ्रीबीज है।

कहां से हुई शुरुआत- माना जाता है कि फ्रीबीज की शुरूआत दक्षिण भारत के राज्यों से ही हुई। यहां लोगों को मिक्सर और टीवी देने की जैसी योजनाएं राजनीतिक दलों के जुबान पर होती हैं। मगर अब हर चुनाव में मुफ्त की योजनाएं व्यापक हो रही हैं। पिछले तीन-चार सालों में इनका चलन और भी तेज हुआ है।

पहले फ्रीबीज के नाम पर मुफ्त साड़ी, कंबल, टीवी, लैपटॉप, साइकिल, पानी, गेहूं, बिजली और चावल का वादा किया जाता था। मगर अब सीधे खातों पर पैसे भेजने की बात होती है। कुछ राज्यों में आर्थिक मदद भेजी भी जा रही है।

CBI निदेशक के सिलेक्शन में मुख्य न्यायाधीश कैसे शामिल हो सकते, उपराष्ट्रपति ने उठाया बड़ा सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। शक्तियों के विभाजन पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि हमारे जैसे देश में या किसी भी लोकतंत्र में वैधानिक निर्देश के अनुसार मुख्य न्यायाधीश सीबीआई निदेशक की नियुक्ति में कैसे शामिल हो सकते हैं? उपराष्ट्रपति ने पूछा कि क्या इसके लिए कोई कानूनी तर्क हो सकता है?

पुनर्विचार करने का वक्त आ गया- जगदीप धनखड़ ने कहा कि वैधानिक निर्देश इसलिए बने, क्योंकि उस समय की कार्यपालिका ने न्यायिक फैसले के आगे घुटने टेक दिए थे। मगर अब इस पर पुनर्विचार करने का वक्त आ गया है। उन्होंने कहा कि यह लोकतंत्र के साथ मेल नहीं खाता है। उन्होंने पूछा कि किसी भी कार्यकारी नियुक्ति में भारत के मुख्य न्यायाधीश को कैसे शामिल किया जा सकता है?

फैसलों का महत्व होता है- उपराष्ट्रपति ने कहा कि न्यायपालिका की सार्वजनिक उपस्थिति मुख्य रूप से फैसलों के माध्यम से होनी चाहिए। फैसले स्वयं बोलते हैं। फैसलों का महत्व होता है। उन्होंने कहा कि संविधान के मुताबिक अगर फैसला सर्वोच्च अदालत से आता है तो उसे लागू करना होता है।

धनखड़ ने कहा कि फैसले के अलावा अभिव्यक्ति का कोई अन्य तरीका संस्थागत गरिमा को कमजोर करता है। उन्होंने कहा कि जब हम दुनिया को देखते हैं तो न्यायाधीशों को सभी मुद्दों पर उस तरह से विचार करते हुए नहीं पाते हैं, जैसा कि हम यहां देखते हैं।

सबसे बड़ा लोकतंत्र बर्दाश्त नहीं करेगा- उपराष्ट्रपति ने कहा कि न्यायिक आदेश द्वारा कार्यकारी शासन एक संवैधानिक विरोधाभास है। इसे दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र बर्दाश्त नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि जब संस्थाएं अपनी सीमाएं भूल जाती हैं तो लोकतंत्र अपने घावों को याद रखता है। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने यह बात भोपाल स्थित राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी में कही।

सीमाओं के भीतर काम करें संस्थाएं- धनखड़ ने कहा कि क्षेत्राधिकार संबंधी सम्मान और आदर के लिए यह जरूरी है कि संस्थाएं परिभाषित संवैधानिक सीमाओं के भीतर काम करें।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश
हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 फाल्गुन चतुर्थी

संपादकीय

मोदी व ट्रंप की एक ऐतिहासिक मुलाकात....

इस मुलाकात को लेकर जिससे पूरी दुनियाँ अपने नफे नुकसानों के आकलन पर मंथन करने लग गई है, परंतु अब पूरी दुनियाँ की निगाहें भारतीय समय अनुसार गुरुवार अर्ली मॉर्निंग 2.30 बजे भारतीय पीएम अमेरिकीराष्ट्रपति के मुलाकात पर लगी रही जिसमें सभी की नजरें टैरिफ, अवैध आवर्जन अवैध प्रवासी भारतीयों की वापसी, चीन मुद्दा,रक्षा, नई टेक्नोलॉजी सहित अनेक मुद्दों पर बनी हुई थी, हालांकि भारत ने अमेरिकी दौरे से पूर्व ही अपने मैक्सिमम अमेरिकी टैरिफ को 150 पर्सेंट से घटकर 70 पर्सेंट कर दिए ताकि बातचीत की सकारात्मकता की गुंजाइश को बल मिले भारत सबसे ज्यादा टैरिफ लगाने वाले देशों मेंशामिल रहा है। इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत में साल1990-91तक औसतटैरिफ 125 पर्सेंट तक था। उदारीकरण के बाद यह कम होता चला गया।2024 में भारत का एवरेज टैरिफ रेट 11.66 पर्सेंट था। ट्रम्प के दोबारा राष्ट्रपति बनने के बाद भारत सरकार ने टैरिफ रेट में बदलाव किया।द हिन्दू की रिपोर्ट के अनुसार भारत सरकार ने टैरिफ के 150 पर्सेंट,125 पर्सेंट और 100 पर्सेंट वाली दरों को खत्म कर दिया है। अब भारत में सबसे ज्यादा टैरिफ रेट 70 पर्सेंट है। भारत में लग्जरी कार पर 125 पर्सेंट टैरिफ था,अब यह 70 पर्सेंट कर दिया गया है। ऐसे में साल 2025 में भारत का एवरेज टैरिफ रेट घटकर 10.65 पर्सेंट हो चुका है। आमतौर पर सभी देश टैरिफ लगाते हैं। किसी देश में इसका रेट कम और किसी में ज्यादा हो सकता है। हालांकि, बाकी देशों से तुलना की जाए तो भारत सबसे ज्यादा टैरिफ लगाने वाले देशों में से एक है।संभवत लाखों लोगों के साथ मैं खुद भी शुक्रवार अर्ली मॉर्निंग 2-30 बजे से 6 बजे तक संचार माध्यमों टीवी चैनलों से जुड़ा रहा इन दोनों महाशक्तियों के बीच हुई मुलाकात को लगातार देखता फिर सुबह 6 के दोनों की संयुक्त प्रेस वार्ता के बाद यह आर्टिकल तैयार किया हूं। इसके पूर्व हम देखें कि पीएम अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन डीसी पहुंचे,जहां उनका ज़बरदस्त स्वागत हुआ, इसके बाद पीएम की पहली आधिकारिक मुलाकात अमेरिका के राष्ट्रीय खुफिया विभाग की निदेशक तुलसी गबार्ड से हुई,जो खुद को भगवान श्री कृष्ण की भक्त कहती हैं। फिर पीएम ने गुरुवार रात करीब 9 बजे अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार माइक वाल्ट्ज से मुलाकात की। इस बैठक में भारतीय विदेश मंत्री और एनएसए भी मौजूद रहे। इसके बाद पीएम इलॉन मस्क से मिले। मस्क अपने परिवार के साथ ब्लेयर हाउस पहुंचे थे। मस्क ने पीएम को तोहफे में मेमेंटो (स्मृतिचिह्न) दिया। दोनों के बीच करीब एक घंटे बातचीत हुई। मस्क से मुलाकात के बाद पीएम ने भारतवंशी बिजनेसमैन विवेक रामास्वामी से करीब आधा घंटा मुलाकात की।मुलाकात के बाद रामास्वामी ने कहा कि पीएम का स्वागत करना उनके लिए सम्मान की बात थी।चूँकि विश्व की नज़रे भारत अमेरिका प्रमुखों की देर रात्रि हुई मुलाकात पर लगी हुई थी, अवैध अप्रवासी मुद्दा व्यापार तकनीकी बात टैरिफ साहित अनेक एमओयू जिसके दूरगामी परिणाम निकलने की पूरी संभावना है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, दोस्ती इम्तिहान लेती है, मेक इन इंडिया बनाम अमेरिकी फर्स्ट।

साथियों बात अगर हम गुरुवार सुबह 6 बजे दोनों वैश्विक नेताओं की संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस की करें तो इस दौरान जब पूछा गया कि ट्रंप और मोदी में कौन टफ नेगोशिएटर (वार्ताकार) है, तो अमेरिकी राष्ट्रपति ने साफ कह दिया कि इस मामले में भारतीय प्रधानमंत्री बहुत आगे हैं। ट्रंप ने कहा,वह (पीएम मोदी) मुझसे कहीं ज्यादा टफ नेगोशिएयर हैं और मुझसे कहीं बेहतर वार्ताकार भी हैं।

बी. एस. केसवन

बेल्लारी शमन्ना केसवन स्वतंत्र भारत के पहले राष्ट्रीय पुस्तकालयाध्यक्ष (1947-1962) थे। उन्हें भारतीय राष्ट्रीय ग्रंथ सूची के जनक के रूप में भी जाना जाता है, क्योंकि इसे पहली बार उनके नेतृत्व में 15 अगस्त, 1958 को सामने लाया गया था। बाद में वह नई दिल्ली में भारतीय राष्ट्रीय वैज्ञानिक दस्तावेज़ीकरण केंद्र (आईएनएसडीओसी) के पहले निदेशक बने। राष्ट्र के प्रति बी. एस. केसवन की महान सेवा को देखते हुए भारत सरकार ने उन्हें पद्म श्री, 1960 से सम्मानित किया था।

परिचय

बी. एस. केसवन का जन्म 10 मई, 1909 को मायलापोरा मद्रास, भारत में हुआ था। उन्होंने अपने शुरुआती अधिकांश वर्ष मद्रास (वर्तमान चैन्नई) में बिताए, जहां उन्होंने अपनी मैट्रिक पास की। इसके बाद उनका परिवार मैसूर चला गया, जहां उन्होंने 1929 में महाराजा कॉलेज में दाखिला लिया और स्नातक की डिग्री प्राप्त की। कॉलेज के बाद जल्द ही वह लंदन चले गए, जहां उन्होंने 1936 में लंदन विश्वविद्यालय में अंग्रेज़ी साहित्य में एमए किया। अपने ऑनर्स कोर्स के दौरान बी. एस. केसवन ने लंदन विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ लाइब्रेरियनशिप में लाइब्रेरियनशिप में डिप्लोमा भी हासिल किया। वह संस्कृत और जर्मन भाषाओं के भी अच्छे जानकार थे। बी. एस. केसवन स्वतंत्रता के बाद 1947-1962 में राष्ट्रीय पुस्तकालय, कलकत्ता के पहले पुस्तकालयाध्यक्ष और 1963-1969 में भारतीय राष्ट्रीय वैज्ञानिक दस्तावेज़ीकरण केंद्र (आईएनएसडीओसी), नई दिल्ली के पहले निदेशक थे।

किताबों का विभाजन

कॉलेज में पढ़ाने के बाद बी. एस. केसवन अपना सपना पूरा करने के लिए सन 1944 में दिल्ली चले गए थे, जहां वे वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद में सहायता सचिव (संपादकीय) और फिर इंपीरियल सचिवालय पुस्तकालय (अब केंद्रीय सचिवालय पुस्तकालय) के पुस्तकालय के क्यूरेटर बन गए।

उनको दिल्ली में आए अभी तीन साल ही हुए थे, तभी भारत को ब्रिटिश शासन से आज़ादी मिल गई और देश का विभाजन हो गया। इस दौरान एक ऐसी दिलचस्प घटना हुई, जिसने उन्हें पूरे विश्व में मशहूर कर दिया। 18 अगस्त सन 1947 को प्रसिद्ध फ़ोटो जर्नलिस्ट डेविड डगलस डंकन ने किताबों के ढेर के बीच बैठे बी. एस. केसवन की तस्वीर खींची। किताबों के ढेर के ऊपर तख्तियां थी, जिन पर भारत और पाकिस्तान लिखा हुआ था। ये तस्वीर अमेरिकी पत्रिका लाइफ़ में छपी, जिसका कैप्शन था- सन 1947 की एक तस्वीर- कलकत्ता नेशनल (इंपीरियल) लाइब्रेरी में भारत और पाकिस्तान के बीच किताबों का बंटवारा।

प्रमुखता प्राप्त करने वाली इस तस्वीर को लेकर कई अनुमान लगाए गये और उसे कई तरीक़ों से देखा गया। यहां तक कहा गया कि जिस स्थान पर केसवन की तस्वीर ली गई है, वो उसे ग़लती से कलकत्ता की इंपीरियल लाइब्रेरी (वर्तमान कोलकाता में राष्ट्रीय पुस्तकालय) बताया गया था। दिलचस्प बात यह है कि जहां तक केसवन के बेटे, प्रसिद्ध शिक्षाविद और निबंधकार मुकुल केसवन के सन 2016 के एक साक्षात्कार से पता चलता है कि इस तस्वीर के पीछे का वास्तविक कारण रहस्य में डूबा हुआ है। कहा जाता है कि बंटवारे की विलक्षणता को दिखाने के लिए केसवन को किताबों के ढेर के बीच बिठाकर ये तस्वीर खींची गई थी, यानी ये सब नाटक था। बहरहाल पुस्तकों के बंटवारे का भी प्रस्ताव था, लेकिन उसे लागू नहीं किया गया।

आज़ाद भारत की पहली लाइब्रेरी

विभाजन के बाद भारत को ऐसे नए संस्थानों की आवश्यकता का एहसास हुआ, जो एक नए देश को परिभाषित कर सके। उन्हीं में एक संस्थान था इंपीरियल लाइब्रेरी ऑफ़ इंडिया। सन 1903 में स्थापित ये लाइब्रेरी कुछ पुरानी लाइब्रेरियों को मिलाकर बनाई गई थी। चूंकि इसका लाइब्रेरियन पाकिस्तान चला गया था, इसीलिए एक नए व्यक्ति की ज़रूरत थी। अंत में बी. एस. केसवन, जिन्हें भारतीय भाषाओं और पुस्तकालय विज्ञान की अच्छी जानकारी थी, को कलकत्ता भेजा गया। इम्पीरियल लाइब्रेरी (नाम बदला हुआ) एक्ट, सन 1948 के तहत इंपीरियल लाइब्रेरी का नाम बदलकर नेशनल लाइब्रेरी ऑफ़ इंडिया कर दिया गया था, और केसवन को इसके पहले लाइब्रेरियन के रूप में नियुक्त करने के साथ ही इसे कोलकाता के बेल्वेडियर एस्टेट में स्थानांतरित कर दिया गया। आखि़रकार, उन्हें 'स्वतंत्र भारत के पहले लाइब्रेरियन' के रूप में भी जाना जाने लगा।

पद्मा श्री

अपने कार्यकाल के दौरान बी. एस. केसवन ने पुस्तकालय में हर प्रमुख भारतीय भाषा के लिए अलग-अलग विभागों की स्थापना की। सन 1953 में पुस्तकालय को सार्वजनिक करने के बाद उन्होंने सन 1955 में सेंट्रल रिफ़रेंस लाइब्रेरी (केंद्रीय संदर्भ पुस्तकालय) की स्थापना की, जो अब राष्ट्रीय संदर्भग्रंथ सूची एजेंसी है। उन्होंने कॉपीराइट अधिनियम के तहत राष्ट्रीय पुस्तकालय द्वारा प्राप्त सभी प्रकाशनों के लिए भारतीय राष्ट्रीय ग्रंथ सूची का प्रकाशन शुरू किया। संदर्भ ग्रंथ सूची के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए उन्हें सन 1960 में प्रतिष्ठित पद्म श्री सम्मान से नवाज़ा गया।

संदर्भग्रंथ सूची के जनक

सन 1963 में राष्ट्रीय पुस्तकालय में अपना पहला कार्यकाल पूरा करने के बाद, केसवन ने भारत में मुद्रण और लेखन के इतिहास को सनद करने का काम किया। इसका उद्देश्य प्रमुख भारतीय भाषाओं में संदर्भग्रंथ सूची प्रकाशित करना था, जिसमें दर्शनशास्त्र, धर्म, इतिहास और मानविकी के अन्य पहलुओं पर मौलिकता, कल्पनाशीलता और साहित्यिक अंदाज़ के साथ लिखे गए महत्वपूर्ण कार्यों को शामिल किया जा सके। भाषाओं पर बी. एस. केसवन की महारत और भाषा के विद्वानों और सरकारी निकायों के प्रति दृष्टिकोण की वजह से उन्होंने द नैशनल बिब्लियोग्रफ़ी ऑफ़ इंडियन लिटरेचर (भारतीय साहित्य की राष्ट्रीय संदर्भग्रंथ सूची), 1901-1953 (1962-1990) के पांच खंड और 80 तथा 90 के दशक में भारत में छपाई और प्रकाशन के इतिहास के तीन खंड- ए स्टोरी ऑफ़ कल्चरल रीअवेकनिंग प्रकाशित किए। उनका ये काम आज भी उन शोधकर्ताओं और विद्वानों के लिए एक मूल्यवान स्रोत है जो भारत में प्रिंट के इतिहास में रुचि रखते हैं। इसी वजह से उन्हें भारतीय राष्ट्रीय संदर्भग्रंथ सूची का जनक कहा जाता है।

बी. एस. केसवन ने इंटरनेशनल फ़ेडरेशन ऑफ़ इंफ़ॉर्मेशन एंड डॉक्यूमेंटेशन और इंडियन लाइब्रेरी एसोसिएशन जैसे राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय निकायों में काम किया, जिनका उद्देश्य प्रलेखन तैयार करना, संदर्भग्रंथ सूची बनाना और सूचना प्रबंधन करना था। जिसकी वजह से आम आदमी देश के अतीत को संरक्षित करने के लिए इसकी एहमियत समझ सका। उन्होंने विभिन्न राज्य संस्थानों के पुस्तकालयों के पुनर्गठन पर सक्रिय रूप से काम किया और पुस्तकालय विज्ञान के अतिथि प्रोफ़ेसर भी रहे। उन्होंने सन 1970 में एक वर्ष के लिए राष्ट्रीय पुस्तकालय में एक बार फिर काम किया और फिर अपने संदर्भग्रंथ सूची संबंधी कार्यों पर फिर जुट गए। सन 1980 के दशक के दौरान, जब बी. एस. केसवन सत्तर साल के हो चुके थे, उन्होंने भारत में पुस्तक के इतिहास और इसे बनाने में प्रयुक्त सामग्री, लिपियों और दृष्टांतों को समझने पर व्यापक शोध किया। यह शोध किताब के रुप में दि बुक इन इंडिया- ए कंपाइलेशन (1986) नामक शीर्षक से सामने आई।

मृत्यु

अपने जीवन के पांच दशक समर्पित करने और अपने देश को संदर्भग्रंथ सूची और प्रलेखन से कामों और कौशल से परिचित कराने के बाद बी. एस. केसवन का 16 फ़रवरी, सन 2000 को 91 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। तेलंगाना में एक धर्मार्थ ट्रस्ट केसवन इंस्टीट्यूट ऑफ़ इंफ़ॉर्मेशन एंड नॉलेज मैनेजमेंट का नाम उनके नाम पर ही रखा गया है।

17 साल बाद मुनाफे में आई बीएसएनएल, सरकारी समर्थन ने बदली तस्वीर

नई दिल्ली (एजेंसी)। संचार मंत्रालय के अधीन काम करने वाली भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) ने लगभग 18 साल बाद किसी तिमाही में लाभ अर्जित किया है। चालू वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) में बीएसएनएल को 262 करोड़ रुपए का लाभ हुआ है।

वर्ष 2007 से बीएसएनएल घाटे में चल रही थी

वर्ष 2007 से बीएसएनएल घाटे में चल रही थी। बीएसएनएल को घाटे से उबारने और टेलीकाम कंपनियों के साथ प्रतिस्पर्धा के लायक बनाने के लिए सरकार पिछले पांच सालों में कंपनी को 3.22 लाख करोड़ रुपए के वित्तीय पैकेज देने की घोषणा कर चुकी है।

वर्ष 2019 में केंद्र सरकार ने बीएसएनएल को 69 हजार करोड़, 2021 में 1.64 लाख करोड़ तो वर्ष 2023 में 89,000 करोड़ के वित्तीय पैकेज की घोषणा की गई थी। कंपनी के सीएमडी ए.राबर्ट जे.रवि के मुताबिक नवाचार व ग्राहकों की संतुष्टि व नेटवर्क के विस्तार से बीएसएनएन ने यह मुकाम हासिल किया है।

राजस्व में 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी की उम्मीद- उन्होंने कहा कि इस वित्त वर्ष के अंत तक हमें अपने राजस्व में 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि मोबिलिटी सेवा के राजस्व में 15 प्रतिशत, फाइबर टू होम के राजस्व में 18 प्रतिशत तो लीज्ड लाइन सेवा के राजस्व में 14 की बढ़ोतरी से बीएसएनएल को मुनाफे में आने में मदद मिली है।

बीएसएनएल अपने सेवाओं को 5जी तक ले जाने में जुटी

सीएमडी के मुताबिक कंपनी अपनी सेवाओं को और बेहतर बनाने, 5जी को लेकर तैयारी करने और डिजिटल बदलाव करने में जुटी है। नेशनल वाइ-फाइ रोमिंग जैसी सेवा के साथ बीआइटीवी के माध्यम से ग्राहकों को मुफ्त में मनोरंजन सेवा दी जा रही है।

बीएसएनएल के सीएमडी श्री ए रॉबर्ट जे रवि ने कहा कि अपने ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाने के लिए, हमने नेशनल वाईफाई रोमिंग, बीआईटीवी - सभी मोबाइल ग्राहकों के लिए मुफ्त मनोरंजन और सभी एफटीटीएच ग्राहकों के लिए आईएफटीवी जैसे नए नवाचार पेश किए हैं।

नई नवेली लिस्टेड कंपनी के तिमाही नतीजों ने किया खुश, सोमवार को फोकस में रहेंगे शेयर

नई दिल्ली (एजेंसी)। डॉ अग्रवाल हेल्थ केयर लिमिटेड ने दिसंबर तिमाही के नतीजों का ऐलान कर दिया है। अक्टूबर से दिसंबर 2024 के दौरान डॉ अग्रवाल हेल्थ केयर लिमिटेड का प्रॉफिट (टैक्स भुगतान के बाद) 28.24 करोड़ रुपये रहा है। पिछले वित्त वर्ष की दिसंबर तिमाही में यह 22.59 करोड़ रुपये रहा था। बता दें, कंपनी का आईपीओ अभी अभी पिछले महीने ही आया था।

चालू वित्त वर्ष के शुरुआती 9 महीने के दौरान कंपनी का प्रॉफिट (टैक्स भुगतान के बाद) 67.79 करोड़ रुपये रहा है। बीते वित्त वर्ष के पहले 9 महीने के दौरान कंपनी का प्रॉफिट 53.73 करोड़ रुपये रहा था।

शुक्रवार को कंपनी के शेयर करीब 3 प्रतिशत की गिरावट के बाद 436.80 रुपये के लेवल पर बंद हुआ था। कंपनी का 52 वीक हाई 463.85 रुपये और 52 वीक लो लेवल 370.10 रुपये है।

कंपनी का आईपीओ पिछले महीने आया था। डॉ अग्रवाल हेल्थकेयर के आईपीओ का साइज 3027.26 करोड़ रुपये है। कंपनी आईपीओ के जरिए 75 लाख फ्रेश शेयर जारी किया है। वहीं, ऑफर फार सेल के तहत 6.78 करोड़ शेयर किया है। आईपीओ रिटेल निवेशकों के लिए 29 जनवरी से 31 जनवरी तक खुला था। बीएसई और एनएसई में कंपनी की लिस्टिंग 4 फरवरी को हुई थी।

अब सस्ते में पी सकेंगे अमेरिका की बरबन व्हिस्की, सरकार ने इंपोर्ट ड्यूटी 150 से घटाकर 50 प्रतिशत की

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के साथ व्यापार समझौते पर बातचीत की तैयारी के बीच भारत ने बरबन व्हिस्की पर आयात शुल्क घटाकर 50 प्रतिशत कर दिया है। पहले यह 150 प्रतिशत था। बरबन व्हिस्की अपनी मिठास के लिए जानी जाती है।

भारत में बार्बन व्हिस्की का सबसे बड़ा निर्यातक-

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अमेरिकी राष्टपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ बातचीत से ठीक पहले 13 फरवरी को बरबन व्हिस्की पर सीमा शुल्क में कटौती की अधिसूचना जारी की गई थी। हालांकि अन्य शराब के आयात पर सीमा शुल्क में कोई कटौती नहीं की गई है। उन पर 100 प्रतिशत शुल्क लगता रहेगा।

अमेरिका भारत में बरबन व्हिस्की का सबसे बड़ा निर्यातक है। कुल बरबन व्हिस्की का एक चाथाई हिस्सा अमेरिका से ही आयात किया जाता है।

बरबन व्हिस्की के आयात पर अब 50 प्रतिशत सीमा शुल्क लगेगा- राजस्व विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, बरबन व्हिस्की के आयात पर अब 50 प्रतिशत सीमा शुल्क लगेगा। भारत ने 2023-24 में 25 लाख अमेरिकी डॉलर मूल्य की बरबन व्हिस्की का आयात किया।

हार्ले-डेविडसन का भारत में फिर दिख सकता है जलवा

डोनाल्ड ट्रंप के जवाबी टैरिफ पर जोर देने के बीच इस तरह की चर्चाएं हैं कि अमेरिकी बाइक कंपनी हार्ले-डेविडसन का भारत में फिर से जलवा दिख सकता है। इस महीने की शुरुआत में पेश किए गए बजट में आयातित महंगे बाइक पर कस्टम ड्यूटी में कटौती की गई है ताकि उनका आयात सस्ता हो सके।

इस समय भारतीय साझेदार हीरो मोटोकॉर्प के साथ मिलकर केवल एक माडल एक्स-440 बेचने वाली हार्ले डेविडसन ने भारत में 13 माडल बाजार में उतारे थे, लेकिन कंपनी ने 2020 में अपना मैन्यूफैक्चरिंग और सेल्स बंद कर दिया।

1 शेयर पर 110 रुपये का डिविडेंड दे रही है कंपनी, रिकॉर्ड डेट 4 दिन के बाद

डिविडेंड देने वाली कंपनियों के शेयरों पर दांव लगाने वाले निवेशकों के लिए गुड न्यूज है। Procter & Gamble Hygiene and Health Care Ltd ने फिर से डिविडेंड देने का फैसला किया है। कंपनी एक शेयर पर 110 रुपये का डिविडेंड दे रही है। जिसके लिए तय रिकॉर्ड डेट इसी महीने है।

इसी महीने है रिकॉर्ड डेट - एक्सचेंज को दी जानकारी में Procter & Gamble Hygiene and Health Care Ltd ने बताया है कि 10 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर पर 110 रुपये का डिविडेंड देने का फैसला हुआ है। कंपनी ने डिविडेंड के लिए रिकॉर्ड डेट 20 फरवरी तय किया है। जिनके पास इस दिन कंपनी के शेयर रहेंगे उन्हें ही डिविडेंड का लाभ मिलेगा। बता दें, कंपनी योग्य निवेशकों को 7 मार्च या उससे पहले डिविडेंड का भुगतान कर देगी। पिछले साल कंपनी शेयर बाजार में 2 बार एक्स-डिविडेंड ट्रेड की थी। नवंबर के महीने में जब कंपनी ट्रेड की थी। तब निवेशकों को एक शेयर पर 95 रुपये का फायदा हुआ था। वहीं, फरवरी के महीने में कंपनी 100 रुपये का अंतरिम डिविडेंड और 60 रुपये प्रति शेयर के हिसाब से स्पेशल डिविडेंड दिया था।

आयकर विधेयक 2025 की समीक्षा के लिए लोकसभा की प्रवर समिति का गठन, भाजपा सांसद पांडा होंगे अध्यक्ष

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने आयकर विधेयक की समीक्षा के लिए शुक्रवार को निचले सदन की 31 सदस्यीय प्रवर समिति का गठन किया।

संसद का बजट सत्र चार अप्रैल को समाप्त होगा- भाजपा के बैजयंत पांडा की अध्यक्षता वाली इस समिति को संसद के अगले सत्र के पहले दिन तक अपनी रिपोर्ट सौंपनी होगी। संसद का बजट सत्र चार अप्रैल को समाप्त होगा। मानसून सत्र जुलाई के तीसरे या चौथे सप्ताह में शुरू हो सकता है।

सीतारमण ने गुरुवार को आयकर विधेयक 2025 पेश किया था- वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को लोकसभा में आयकर विधेयक 2025 पेश किया था। विधेयक पेश करते समय वित्त मंत्री ने लोकसभा अध्यक्ष से विधेयक को प्रवर समिति को भेजने का आग्रह किया था।

नया आयकर विधेयक 2025, आयकर कानून 1961 का स्थान लेगा। इसे अप्रैल 2026 से लागू करने का प्रस्ताव है। प्रस्तावित विधेयक में, इनकम टैक्स रिटर्न दाखिल करने के दौरान मूल्यांकन वर्ष की जगह टैक्स ईयर शब्दावली का प्रयोग किया जाएगा ताकि भ्रम की स्थिति न पैदा हो।

नए इनकम टैक्स बिल में क्या है खास

आइए जानते हैं कि इस आयकर बिल में क्या खास है और इससे टैक्सपेयर्स को क्या लाभ होगा।

नया इनकम टैक्स बिल क्यों बना- नए इनकम टैक्स बिल का मकसद कानून को सरल और स्पष्ट बनाना है। इस नए बिल से लगभग 3 लाख शब्द कम किए गए हैं। इससे कानून अधिक सुगम और समझने में आसान होगा। साथ ही, बेहतर अनुपालन सुनिश्चित करने और टैक्स सिस्टम को पारदर्शी बनाने में मदद मिलेगी।

सेबी की कार्रवाई के बाद रेंग रहा यह शेयर, 17 पर भाव, प्रमोटर्स पर लगा है बैन

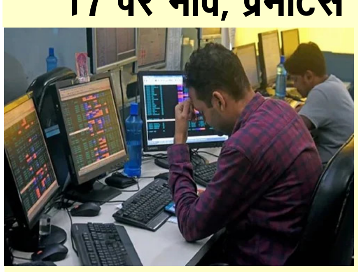

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीते दिनों पूंजी बाजार के नियामक सेबी ने एसएमई कंपनी कलाहरिधान ट्रेंड्ज और उसके प्रवर्तकों को सिक्योरिटी मार्केट से प्रतिबंधित कर दिया था। इस कार्रवाई के बाद कंपनी के शेयर बुरी तरह क्रैश हो चुके हैं। आखिरी कारोबारी दिन कंपनी के शेयर 17.15 रुपये पर बंद हुए। शेयर के 52 हफ्ते का हाई 71.95 रुपये था। शेयर का यह भाव अगस्त 2024 में था। आपको बता दें कि कलाहरिधान ट्रेंड्ज लिमिटेड को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के लघु और मझोले उद्यम मंच 'एसएमई इमर्ज' पर पिछले साल फरवरी में सूचीबद्ध किया गया था।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने एक अंतरिम आदेश एवं कारण बताओ नोटिस में कहा कि कलाहरिधान ट्रेंड्ज लिमिटेड के साथ उसके प्रवर्तकों- निरंजन डी अग्रवाल, आदित्य एन अग्रवाल और सुनीता निरंजन अग्रवाल को भी अगले आदेश तक बाजार से प्रतिबंधित कर दिया गया है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

तोरण मारने के बाद दूल्हे को घोड़ी पर आया हार्ट अटैक, मौत

श्योपुर । बाराती नाच रहे थे, दूल्हा दुल्हन को वरमाला के लिए स्टेज पर ले जाने की तैयारी थी। जैसे ही दूल्हा ने तोरण मारा तो उसे घोड़ी पर ही अटैक आ गया और उसकी मौत हो गई। पल भर में ही सारी खुशियां मातम में बदल गई। स्वजन तुरंत दूल्हे को अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने भी मृत घोषित कर दिया। मृतक दूल्हा एनएसयूआई का पूर्व जिला अध्यक्ष था। जानकारी के अनुसार सूसवड़ा हाल जाट छात्रावास के पास श्योपुर निवासी 27 वर्षीय प्रदीप जाट का 14 फरवरी की रात विवाह संपन्न होने जा रहा था।

बारात मैरिज गार्डन पहुंच गई थी, तोरण मारने के बाद दूल्हे को स्टेज पर ले जाने की तैयारी थी।

तभी अचानक घोड़ी पर बैठे-बैठे उसे अटैक आ गया और वह नीचे गिर गया।

दूल्हे के घोड़ी से गिरते ही बारातियों के होश उड़ गए और वह उसे तुरंत अस्पताल ले गए।

वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बताया गया है कि मृतक दूल्हा पूर्व सरपंच का बेटा है।

दो भाई और एक बहन है, जिसमे प्रदीप सबसे छोटा था।वर्ग एक की शिक्षक है दुल्हन

बताया गया है कि प्रदीप जाट का जिस लड़की से विवाह होने जा रहा था वह गुरुनवादा गांव की रहने वाली है, और वर्ग एक की टीचर है जो शहर के शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में ही पदस्थ है।

एमपी में यूपी सीमा पर रात में दो बार लगा जाम, दिनभर में हालात सामान्य

रीवा। पड़ोसी प्रदेश उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में आयोजित कुंभ मेले में जाने वाले श्रद्धालुओं की संख्या कम नहीं हो रही है। शाही स्नान पर्व समाप्त हो चुके हैं सामान्य दिनों में अचानक बीती रात नेशनल हाईवे 30 में वाहनों का दबाव बढ़ गया। इसके कारण टोल प्लाजा जोनकहाई एवं झिरिया टोल प्लाजा में तकरीबन 2 किलोमीटर का जाम लग गया।

हालांकि रात को ही सक्रिय पुलिस प्रशासन में जिला प्रशासन की सक्रियता के कारण तत्काल टोल प्लाजा में व्यवस्था दुरुस्त की गई और श्रद्धालु अपने गंतव्य यानी प्रयागराज के लिए रवाना हो गए। शनिवार की सुबह से ही जिले का पुलिस प्रशासन व जिला प्रशासन के अधिकारी नेशनल हाईवे 30 की यातायात व्यवस्था को लेकर सक्रिय नजर आए देर दोपहर 1 तक सामान्य गति से वाहनों का आवागमन सुचारू रूप से जारी रहा।जानकारी देते हुए रिवाज के डीआईजी साकेत प्रकाश पांडे ने बताया कि नेशनल हाईवे 30 से प्रयागराज जाने वाले वहां अपने गति से गंतव्य की ओर रवाना हो रहे हैं। कहीं भी जाम की स्थिति नहीं हैं। सीमा पर पहुंचे देर रात पुलिस अधिकारी रात में तकरीबन 1 बजे जैसे ही जिला प्रशासन को या खबर लगी की टोल प्लाजा में जाम की स्थिति निर्मित हो रही है। प्रशासन में केवल सक्रिय हुआ बल्कि टोल प्लाजा प्रबंधन को स्पष्ट कर दिया गया कि किसी भी तकनीकी समस्या को लेकर वाहनों को रोक नहीं जाएगा।

बड़वानी में फूड पायजनिंग से 20 छात्राएं हुई बीमार, अस्पताल में भर्ती

बड़वानी। सेंधवा क्षेत्र के चाचरिया बालिका आश्रम में फूड पायजनिंग से 20 छात्राएं बीमार हो गई। सभी को अस्पताल में भर्ती किया गया है। भाजपा के जिला उपाध्यक्ष विकास आर्य को जानकारी लगते ही वे आश्रम पहुंचे और बच्चों के हालचाल जाने। जानकर जो बच्चे की तबियत ज्यादा बीमार छात्राओं को सेंधवा रेफर कराया गया। आर्य ने इसे आश्रम की गंभीर लापवाही बताया। सूत्रों के अनुसार हैंडपंप के पानी को चेक किया तो पाया कि दूषित पानी की वजह से छात्राओं में फूड पायजनिंग हुई। छात्राओं ने भोजन के बाद यह दूषित पानी पीया। आर्य ने बड़वानी एसी व सेंधवा एसडीएम आशीष कुमार को फोन लगाकर वस्तु स्थिति से अवगत कराते हुए पूरे मामले की जांच कर दोषियों पर कार्रवाई करने की मांग की।

खतरनाक है टेलीग्राम एप, सबसे ज्यादा साइबर ठगी इसी से बैंक अकाउंट तक बेचे जा रहे

ग्वालियर। साइबर ठगी की घटनाओं की पुलिस पड़ताल में यह सामने आया है कि इसमें टेलीग्राम एप का सर्वाधिक उपयोग हो रहा है। चाहे नौकरी के नाम पर धोखाधड़ी हो या फिर रेटिंग देने के जरिये ठगी हो या नए निवेशों के नाम पर होने वाली ठगी, सभी में टेलीग्राम एप का उपयोग हो रहा है।

इतना ही नहीं इसके जरिये बैंक खाते तक बेचे जा रहे हैं। इन बैंक खातों में ठगी की रकम को क्रिप्टो एक्सचेंज के जरिये यूएसडीटी (डालर जैसा डिजिटल टोकन) सहित अन्य क्रिप्टो करेंसी में बदलकर चीन तक भेजा जा रहा है। यही वजह है कि अब ग्वालियर पुलिस टेलीग्राम एप को प्रतिबंधित करने के लिए भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र यानी आइ4सी को पत्र लिखने जा रही है।

इस तरह ठगी का गेट-वे बना टेलीग्राम एप

टेलीग्राम एप पर ठगों से लेकर खाता बेचने वाले देश और विदेश में बैठे बदमाशों ने कई ग्रुप बना रखे हैं। इन ग्रुप में लोगों को जोड़कर नौकरी या काम दिलाने के नाम पर ठगी सबसे ज्यादा हो रही है। खाते बेचने और ठगी का रुपया अलग-अलग खातों में भेजने की पूरी कड़ी टेलीग्राम एप से ही चल रही है।

यह एप नया खतरा बनकर सामने आया है। ग्वालियर पुलिस की साइबर क्राइम विंग की पड़ताल में सामने आया है कि बीते एक वर्ष में टेलीग्राम एप से ठगी की 51 घटनाएं दर्ज की गईं। इनमें नौकरी या काम के नाम पर और निवेश के नाम पर ठगी की सबसे ज्यादा घटनाएं हुईं।

इन मामलों में टेलीग्राम एप बना खलनायक

मेडिकल छात्रा से 44.11 लाख की ठगी- ग्वालियर में एमबीबीएस की छात्रा मेघना चौहान को टेलीग्राम एप पर एक ग्रुप में जोड़ा गया। मेघना को पहले होटल को

रेटिंग देने का काम दिया गया। पहले 200 रुपये का मुनाफा उन्हें दिया गया। फिर ठगी शुरू हो गई। उनसे 44 लाख 11 हजार 363 रुपये ठग लिए गए।चीनी गिरोह ने टेलीग्राम एप से खरीदे बैंक खाते

बीएसएफ की टेकनपुर अकादमी में पदस्थ इंस्पेक्टर अबसार अहमद को एक माह तक डिजिटल अरेस्ट रख 70.24 लाख रुपये की ठगी की गई। ठगी गई रकम में से 29 हजार रुपये अंकित वर्मा निवासी कोटा के खाते में गए। जब उसे पकड़ा तो उसके दो साथी अखिल सिंह निवासी दिल्ली और आफताफ अहमद निवासी झारखंड का भी नाम सामने आया।

इन लोगों ने टेलीग्राम एप के जरिये चीनी गिरोह को खाते बेचे थे। इसमें ही अबसार अहमद से ठगी गई रकम में से 29 हजार रुपये पहुंचे। छह प्रतिशत कमीशन काटकर बाकी रुपये की यूएसडीटी करेंसी खरीदी गई। जो चीनी नागरिक द्वारा बताए गए पे-वालेट में भेजी गई।

एप को प्रतिबंधित करने के लिए पत्र लिखा जाएगा

टेलीग्राम एप के जरिये साइबर धोखाधड़ी की घटनाएं बहुत हो रही हैं। इस संबंध में आई4सी को टेलीग्राम एप को प्रतिबंधित करने के लिए पत्र लिखा जाएगा।

-धर्मवीर सिंह, एसएसपी, ग्वालियर

भोपाल में एक निजी स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी

भोपाल। राजधानी के पिपलानी स्थित एक निजी स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। स्कूल की आधिकारिक मेल आइडी पर स्कूल को आइइडी और आरडीएक्स सुसाइड ब्लास्ट से उड़ाने की धमकी दी गई है। इस मेल में सब्जेक्ट में स्कूल को उड़ाने की धमकी है, जबकि मेल में तमिलनाडु की डीएमके पार्टी से संबंधित कुछ बातें लिखी हैं। मेल मिलने पर 15 मिनट में स्कूल को खाली कर दिया गया। वहीं सूचना पर पहुंची पुलिस और एटीएस ने तलाशी ली, जिसमें कुछ प्राप्त नहीं हुआ है। पुलिस मेल भेजने वाली आइडी की जांच कर रही है।

इस खबर को लगातार अपडेट किया जा रहा है। हम अपने सभी पाठकों को पल-पल की खबरों से अपडेट करते हैं। हम लेटेस्ट और ब्रेकिंग न्यूज को तुरंत ही आप तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। प्रारंभिक रूप से प्राप्त जानकारी के माध्यम से हम इस समाचार को निरंतर अपडेट कर रहे हैं। ताजा ब्रेकिंग न्यूज़ और अपडेट्स के लिए जुड़े रहिए नईदुनिया के साथ।

अमानक खाद्य, बीज और कीटनाशक विक्रय करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने के दिये निर्देश

इंदौर। संभागायुक्त श्री दीपक सिंह की अध्यक्षता में संभागायुक्त कार्यालय में कलेक्टर कॉन्फ्रेंस सम्पन्न हुई। वीडियो कान्फ्रेंस के माध्यम से आयोजित इस बैठक में संभाग के सभी जिलों के कलेक्टर तथा ष्टश्चह्र जिला पंचायत उपस्थित रहे। कॉन्फ्रेंस में संभागायुक्त ने सभी कलेक्टरों से राजस्व अभियान, फार्मर रजिस्ट्री, राजस्व वसूली, अवैध उत्खनन, सीएम हेल्पलाइन, राष्ट्रीय अंधत्व निवारण, टी.बी. मुक्त भारत कार्यक्रम, धरती आभा ग्राम उत्कृष्ट कार्यक्रम, लोक सेवा ग्यारंटी, वक्फ बोर्ड संपत्तियों का वितरण, वैटलेंड सीमांकन और भौतिक सत्यापन, माध्यमिक शिक्षा मण्डल बोर्ड परीक्षाओं की तैयारियों आदि के संबंध में प्रगति की जानकारी ली।

संभागायुक्त श्री दीपक सिंह ने सभी जिलों के कलेक्टरों से चर्चा की और उन्हें आवश्यक दिशा निर्देश दिए। संभागायुक्त श्री सिंह ने कहा कि राजस्व वसूली अभियान में तेजी लायें और इसकी लगातार

मॉनिटरिंग करें। साथ ही राजस्व प्रकरणों का निराकरण समयबद्ध सीमा में करें और उसकी समीक्षा करें। इस कार्य में सभी कलेक्टर अपने अधीनस्थ अधिकारियों को दिशा निर्देश देकर कार्यवाही करें। ऐसे विक्रेता जो अमानक खाद्य, बीज और कीटनाशक का विक्रय कर किसानों को हानि पहुँचा रहे हैं, ऐसे विक्रेताओं के न केवल लायसेंस रद्द किये जाये वरन उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई भी की जाये, ताकि वे भविष्य में अमानक खाद्य, बीज और कीटनाशक का विक्रय नहीं करें।

अनुसूचित जाति/जनजाति और पिछड़े वर्ग के आधार कार्ड, समग्र आई, जाति प्रमाण पत्र आदि के कार्यों में गति लायें। श्री दीपक सिंह ने कहा कि सभी कलेक्टर्स यह सुनिश्चित करें कि उनके क्षेत्र के सभी राजस्व अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों का नियमित रूप से भ्रमण करें। भ्रमण के दौरान वे ग्रामीणों से संवाद करें। उनकी समस्याओं को सुनें और मौके पर ही निराकरण करें। उन्होंने संभाग में 70 वर्ष और इससे अधिक आयु के बुजुर्गों के आयुष्मान कार्ड बनाये जाने के कार्य की प्रगति की समीक्षा भी की। इस दौरान निर्देश दिये कि यह सुनिश्चित किया जाये कि 70 वर्ष से अधिक आयु के सभी बुजुर्गों के आयुष्मान कार्ड बन जाये। कोई भी वंचित नहीं रहे। उन्होंने कहा राष्ट्रीय अंधत्व निवारण/केटरेक्ट ऑपरेशन में प्रगति लायें। विभिन्न स्थानों पर शिविर लगाकर मोतियाबिंद के मरीजों को चिन्हित करें और उनका समय सीमा में उपचार करायें। मोतियाबिंद के ऑपरेशन शासकीय अस्पतालों में कराने की योजना बनायें। उन्होंने कहा कि माध्यमिक शिक्षा मण्डल बोर्ड परीक्षाओं में किसी तरह की गड़बड़ी न हो, इसके लिए कलेक्टर सभी केन्द्राध्यक्ष और प्रभारियों के साथ बैठक लें। उन्होंने कहा कि कोई भी केन्द्राध्यक्ष और प्रभारियों के स्मार्टफोन को साथ ले जाना प्रतिबंधित करें, ताकि बोर्ड परीक्षा के दौरान प्रश्नपत्रों की गोपनीयता क़ायम रहे। उन्होंने कहा कि योजना के क्रियान्वयन में किसी भी तरह की लापरवाही और उदासीनता बर्दाश्त नहीं की जाये। लापरवाही तथा उदासीनता बरतने पर संबंधितों के विरूद्ध कार्यवाही करें। संभागायुक्त श्री सिंह ने कहा कि उक्त सभी अभियानों को गति लाकर निर्धारित लक्ष्यों को समय-सीमा में पूरा किया जाये। अभियान पूरी तरह से परिणाममूलक रहे, यह प्रयास किये जाये।

कॉन्फ्रेंस में इंदौर कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने बताया कि जिले में राजस्व वसूली का काम प्रगति पर है। अवैध खनन, उत्खनन और अवैध परिवहन करने वालों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है और उनसे अर्थदण्ड भी वसूला जा रहा है। सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त जन शिकायतों का निराकरण समय सीमा में किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिले को टीबी मुक्त जिला बनाने के लिए लगातार प्रयास जारी है। हमारी कोशिश है कि इंदौर जिला टीबी मुक्त

आयुष शिविरों में स्वास्थ्य परिक्षण कर निःशुल्क औषधियों का वितरण किया

इंदौर। संचालनालय आयुष भोपाल मध्यप्रदेश के निर्देशानुसार एवं कलेक्टर श्री आशीष सिंह के मार्गदर्शन में जिला आयुष अधिकारी डॉ. हंसा बारिया ने जिले के अंतर्गत सभी 14 आयुष्मान आरोग्य मंदिरों पर प्रतिमाह 14 तारीख को अलग-अलग थीम के अनुसार स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस बार की थीम बचपन, किशोर और युवा स्वास्थ्य देखभाल आयुष सेवाएं थी। इन शिविरों में सरपंच, सचिव, आशा कार्यकर्ता, आंगनवाडी कार्यकर्ता, सहायिका आदि का सहयोग लिया गया।

आयुष स्वास्थ्य शिविर में चिकित्साधिकारी, सीएएमओ, पैरामेडिकल आदि ने उपस्थित जन समुदाय को दैनिक जीवन में योग के लाभ बताकर योगाभ्यास भी कराया। साथ ही स्वस्थ बने रहने एवं मौसमी बीमारियों से बचाव हेतु जानकारियां भी दी गई। इसके अलावा बच्चों, किशोर और युवाओं का ब्लड प्रेशर, शुगर एवं हीमोग्लोबिन, आयोडिन आदि की जाँच कर उनका स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें पोषाहार की जानकारी दी। शिविर में निश्शुल्क औषधियां भी वितरित की गई।

1 अप्रैल से इनपुट सर्विस डिस्ट्रिब्यूटर अनिवार्य, जीएसटी स्कीम का लाभ उठाने की अंतिम तारीख 31 मार्च

इंदौर। सीजीएसटी कमिश्नरेट इंदौर द्वारा टैक्स प्रैक्टिशनर्स एसोसिएशन और इंदौर सीए शाखा के तत्वावधान में बजट प्रावधानों और एमनेस्टी स्कीम को लेकर एक विशेष आउटरीच प्रोग्राम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में जॉइंट कमिश्नर श्री योगेश पांडुरंग उंडे ने जीएसटी अधिनियम में किए गए प्रमुख बदलावों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 1 अप्रैल 2025 से इनपुट सर्विस डिस्ट्रिब्यूटर की व्यवस्था सभी करदाताओं के लिए अनिवार्य कर दी जाएगी, जिनके पास एक ही पैन पर एक से अधिक जीएसटी रजिस्ट्रेशन हैं और वे कुछ सामान्य इनपुट सेवाएं प्राप्त करते हैं।

कर चोरी पर नियंत्रण जरूरी

उन्होंने कहा कि बजट में एक नई धारा जोड़कर कुछ ऐसी वस्तुओं पर ट्रैक एंड ट्रेस मैकेनिज्म लागू करने की योजना बनाई गई है, जिन पर कर चोरी की संभावना अधिक होती है। इस नए प्रावधान के तहत सरकार को अधिकार होगा कि वह किसी भी वस्तु या व्यक्ति पर यह व्यवस्था लागू करने की अधिसूचना जारी कर सके, जिससे कर चोरी पर नियंत्रण किया जा सकेगा।

इसके अलावा, एमनेस्टी स्कीम को लेकर भी जानकारी दी गई, जिसमें वर्ष 2017 से 2020 तक के धारा 73 मामलों के संबंध में करदाताओं को राहत दी गई है। इस स्कीम का लाभ उठाने के लिए 31 मार्च 2025 तक अपनी बकाया राशि का भुगतान करना आवश्यक होगा, जिससे वे पेनल्टी और ब्याज से हमेशा के लिए मुक्त हो सकते हैं। इस कार्यक्रम में डिप्टी कमिश्नर श्रीमती रंजना चौधरी ने बताया कि विभाग ऐसे आउटरीच प्रोग्राम आगे भी आयोजित करता रहेगा और इसी क्रम में अगला कार्यक्रम देवास में आयोजित किया जाएगा।

टैक्स प्रैक्टिशनर्स एसोसिएशन के प्रेसिडेंट सीए जेपी सराफ ने बताया कि इस बार के बजट में जीएसटी से संबंधित कई महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं, जिनका दीर्घकालिक प्रभाव रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार को एमनेस्टी स्कीम को लेकर व्यापक स्तर पर प्रचार और जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है, जिससे करदाता अधिक से अधिक इसका लाभ उठा सकें और लंबित मामलों का निपटारा हो सके।

इंदौर सीए शाखा के सेक्रेटरी सीए अमितेश जैन ने कहा कि ऐसे आउटरीच प्रोग्राम व्यापारियों के लिए अत्यधिक लाभकारी हैं।

कार्यक्रम का संचालन सीए सुनील पी जैन ने किया और आभार प्रदर्शन सीए कृष्ण गर्ग ने किया।

सांसद श्री लालवानी की अध्यक्षता में विमानतल सलाहकार समिति की बैठक सम्पन्न

इंदौर। सांसद श्री शंकर लालवानी की अध्यक्षता में आज भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के सभाकक्ष में विमानतल सलाहकार समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में कलेक्टर श्री आशीष सिंह, आयुक्त नगर निगम श्री शिवम वर्मा, विमानपतन के निदेशक, पुलिस विभाग से सलाहकार समिति के सदस्य, एयरलाइंस के प्रतिनिधि सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में सेरेमोनियल लाउंज और पुराने टर्मिनल भवन के नवीनीकरण हेतु सीआईएसएफ़ के अतिरिक्त मैनपावर की माँग के संबंध में सांसद श्री लालवानी द्वारा जानकारी ली गई। जिस पर विमानपतन निदेशक ने बताया कि इस संबंध में क्चष्टस्न से अनुमोदन मिल गयी है एवं मानव संसाधन मंत्रालय से उपयुक्त संख्या में सीआईएसएफ कर्मियों की नियुक्ति की जानी है। सेरेमोनियल लाउंज के संबंध में विमानपतन निदेशक ने अवगत कराया कि संबंधित फ़ाइल मुख्यालय में भेज दी गयी है और यह आश्वस्त किया कि इस संबंध में जल्द ही कार्रवाई की जाएगी। नए सेक्टर को जोडने के संबंध में विमानपतन निदेशक ने समिति को अवगत कराया कि भुवनेश्वर के लिए उड़ान शुरू हो गयी है तथा जेवर एयरपोर्ट के लिए भी मई महीने से उड़ान शुरू हो जाएगी।

सांसद श्री लालवानी ने टर्मिनल भवन के बाहर टैक्सी ऑटो प्रबंधन के लिए संयुक्त रूप से एयरपोर्ट प्रबंधन एवं पुलिस प्रशासन से कार्य करने के लिए निर्देशित किया। श्री लालवानी ने बताया कि एमएलसीपी के लिए भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण को पहले ही 20 एकड़ जमीन आवंटित कर दी गयी है। उन्होंने कलेक्टर श्री आशीष सिंह से कहा कि केन्द्रीय स्कूल के पास से रोड बनवाने के लिए नगर निगम से समन्वय करें। महाकाल दर्शन के लिए कूपन व्यवस्था के संबंध में सांसद श्री लालवानी ने निर्देश दिये कि महाकाल मंदिर के प्रसाद एवं नॉर्मल दर्शन कूपन कि व्यवस्था विमानपत्तन के टर्मिनल भवन के भीतर की जाए। उन्होंने इंदौर विमानतल पर स्मार्ट ट्राली की व्यवस्था करने के निर्देश दिये। जिसमें यात्री को उड़ान की जानकरी, बोर्डिंग गेट एवं रूट संबंधी सूचना मिले। आईपी मूवमेंट में कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने ढ्ढक्कश्वठ्ठ गेट से ही सुरक्षा जांच की व्यवस्था करने के निर्देश दिये।

सांसद श्री लालवानी ने एयरलाइन ऑपरेटर से सिंगापुर एवं बैंकॉक की फ्लाइट को शुरू करने में आने वाले व्यवधानों को प्रस्तुत करने के निर्देश दिये। उन्होंने रनवे स्ट्रीप एक्सटेंशन एवं पेरेलल टैक्सी-वे के लिए जमीन आवंटन के लिए कलेक्टर श्री आशीष सिंह को आवश्यक कदम उठने के निर्देश भी दिये। बैठक में श्री पवन चेलनी ने रवने रिसर्फेसिंग कार्य के लिए विमानतल रात्री के समय में बंद करने की समय सीमा पुनर्निर्धारित करने पर विचार करने को कहा। जिस पर विमानतल निदेशक ने आश्वस्त किया कि यह समय सीमा उपरोक्त कार्य को सफलतापूर्वक करने एवं विमानतल सुरक्षा को ध्यान में रख कर ही लिया गया है। श्री राहुल गोयल ने इंदौर विमानतल पर रिमोट पार्किंग स्टैंड पर अतिरिक्त लाइट की व्यवस्था करने का सुझाव दिया।

दुर्लभ सिक्के और डाक टिकटों का अनूठा संग्रह है मुद्रा महोत्सव में

इंदौर। संभागायुक्त श्री दीपक सिंह ने गांधी हॉल में आज से शुरू हुई प्राचीनत्तम मुद्रा, सिक्कों, डाक टिकटों की तीन दिवसीय प्रदर्शनी एवं मुद्रा महोत्सव का अवलोकन ?किया। इस मौके पर उनके साथ मुद्राशास्त्री श्री गिरीश शर्मा आदित्य, श्री विराज भार्गव, मेजर डॉ. गुप्ता, श्री राजेश शाह, श्री आलोक खादीवाला सहित मुद्रा संग्राहक भी उपस्थित थे। संभागायुक्त श्री सिंह ने मुद्रा महोत्सव में लगे सभी स्टॉलों का अवलोकन किया और विभिन्न राज्यों से आये मुद्रा संग्राहक व्यवसायी और विद्वानों से चर्चा कर डाक टिकटों और मुद्राओं के इतिहास के बारे में जानकारी प्राप्त की। संभागायुक्त श्री सिंह ने आयोजकों को बंधाई देते हुए कहा कि यह एक अच्छा आयोजन है जहां एक ही छत के नीचे दुर्लभ सिक्कों और डाक टिकटों के बारे में जानकारी प्राप्त की जा सकती है। इस तरह के आयोजन लगातार होते चाहिए।

अवन्तिकायाम विहिव्तारम मुक्ति प्रदायनाय च सजनाम,
अकाल मृत्यु परिरक्शनाय, वन्दे महाकाल महा सुरेश्वरम
भूतभावन भगवान श्री महाकाल महाराज सभी को आरोग्यता प्रदान करें

प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारतीय संस्कृति पूरी दुनिया में फैल रही है

वसुधैव कुटुंबकम का संदेश वैश्विक मंच पर देशों और संस्कृतियों के मध्य शांति और सौहार्द को स्थापित करेगा

उज्जैन । मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि बाबा श्री महाकाल की नगरी जो की भारत एवं विश्व का एक प्रमुख आध्यात्मिक ऊर्जा का केंद्र है, यूनाइटेड कॉन्शसनेस ग्लोबल कॉन्क्लेव 2025 आयोजन की मेजबानी कर रहा है। यह भूमि वेदों, पुराणों और योग परंपरा से समृद्ध रही है, और आज हम सभी यहां इसी परंपरा को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करने हेतु एकत्रित हुए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने कहा है कि यह दौर युद्ध का नहीं, शांति का है ।

यह विचार आज के समय की सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता को इंगित करता है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद यह युग संभवतः सबसे अधिक चुनौतीपूर्ण रहा है, जहाँ युद्ध, गृहयुद्ध, आतंकवाद और आपसी वैमनस्यता ने विश्व को तनावग्रस्त बना दिया है। हमें विचार करना होगा कि हम अपनी आने वाली पीढ़ियों को कैसी दुनिया सौंप रहे हैं- एक विभाजित, हिंसा-ग्रस्त समाज या शांति, समरसता और आध्यात्मिक चेतना से ओत-प्रोत एक संसारसनातनी मूल्यों से प्रेरित यूनाइटेड कॉन्शसनेस ग्लोबल कॉन्क्लेव जैसी पहलें संपूर्ण मानवता के कल्याण एवं विश्व शांति के लिए एक प्रभावी मंच हो सकती हैं। यूनाइटेड कॉन्शसनेस ग्लोबल कॉन्क्लेव एकात्म चेतना'' के माध्यम से शांति की संस्कृति की स्थापना करेगा। इस मंच पर 21 से अधिक देशों के विद्वान, संत, मनीषी, आध्यात्मिक शिक्षक, लाइफ कोच और विचारक एकत्रित हुए हैं, जो इस विषय पर अपने विचार साझा करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने यह उद्बोधन कालिदास अकादमी उज्जैन में आयोजित यूनाइटेड कॉन्शसनेस कॉनक्लेव 2025 में दिया।

पंचमहाभूत से बना है हमारा शरीर

मुख्यमंत्री डॉक्टर यादव ने इस अवसर पर कहा कि पंचमहाभूत से बना है हमारा शरीर। हमारी वसुधा में पांच तत्व सम्मिलित है, प्रकृति में जो पांच तत्व मौजूद हैं वही हमारे शरीर में भी विद्यमान है। इस सृष्टि मे जीवन की उत्पत्ति सर्वप्रथम जल में ही हुई थी, काल के प्रवाह में अलग-अलग प्रकार के जीवन की रचना हुई इसीलिए जल के प्रति हम सब जीवों में एक स्वाभाविक सी ललक रहती है। जल हमें सुकून देता है। जल से स्नान करने पर हमें मानसिक रूप से शांति प्राप्त होती है और हमारे शरीर में स्फूर्ति का संचार होता है। हमारे जल स्रोत जैसे समुद्र, नदी, तालाब हमें शुरू से ही आकर्षित करते आ रहे हैं,आज कार्यक्रम में विभिन्न जल स्रोतों से जल प्राप्त हुआ है।जल विश्व को सनातन संस्कृति की परंपरा अनुसार एक सूत्र में पिरोता है। भारतीय सनातन मूल्यों अनुसार हम लोग अपने जीवन में श्रेष्ठता लाएं लेकिन अहंकार को कभी भी अपने जीवन में हावी न होने दें।

सहकारी नेतृत्व विकास प्रशिक्षण संपन्न

उज्जैन। भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ नई दिल्ली एवं जिला सहकारी संघ उज्जैन के संयुक्त तत्वाधान में बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्थाओं के प्रबंधकएवं सचिवों का तीन दिवसीय नेतृत्व विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांक 13 फरवरी से 15 फरवरी 2025 तक आयोजित किया गया, जिसका समापन उज्जैन जिले के सहकारिता आयुक्त श्री के, पाटणकर के मुख्यअतित्व में किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में सहकारी प्रशिक्षण केंद्र इंदौर के पूर्व आचार्य केएल राठौर, सहकारी प्रशिक्षण केंद्र इंदौर के प्राचार्य दिलीप मरमट राष्ट्रीय सहकारी शिक्षा केंद्र की क्षेत्रीय परियोजना उज्जैन के क्षेत्रीय प्रबंधक चंद्रशेखर बैरागी एवं कंप्यूटर प्रशिक्षक श्री उमेश बामनिया आदि सभी वक्ताओं ने सहकारिता के प्रबंधन, लेखांकन, सहकारिता के सैद्धांतिक पहलू , कंप्यूटर डाटा एंट्री एवम् सहकारी संस्था की प्रबंधन व्यवस्था से संबंधित विस्तृत जानकारी दी।

कार्यक्रम में सहकारिता विभाग से प्रशासक शांतिलाल चौहान एवं सहकारिता निरीक्षक संतोष सकलिया विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के पाटनकर ने प्रशिक्षार्थियों को उनकी संस्था की निधिया बढ़ाने पर जोर दिया और साथ ही यह बताया की निधियां किस प्रकार से बढ़ाई जा सकती है एवं भविष्य में शासन के द्वारा चलाई जाने वाली योजनाओं पर भी विस्तृत रूप से जानकारी दी। कार्यक्रम उज्जैन जिले की नागदा तहसील के होटल सिगड़ी में कार्यक्रम आयोजित किया गया इसके अंतर्गत नागदा तहसील की खाचरोद घिनोदा एवं नागदा ब्रांच के लगभग 50 प्रबंधक सहायक प्रबंधकों ने भाग लिया कार्यक्रम में जिला सहकारी संघ के प्रबंधक श्री सुमेरसिंह सोलंकी ने प्रशिक्षण कार्यक्रम का परिचय देते हुए जिला सहकारी संघ द्वारा चलाई जाने योजनाओं पर चर्चा की साथ ही बताएं कि वर्ष 2025 अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के रूप में जिला सहकारी संघ के माध्यम से भव्य रूप में मनाया जाएगा और पूरे वर्ष भर प्रशिक्षण से संबंधित कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे कार्यक्रम में कार्यक्रम के अंत में प्रशिक्षार्थियों को जिला सहकारी संघ के द्वारा बैग वितरण किए गए।

कैलाशी सर की पत्नी नहीं रहीं, अंतिम संस्कार आज होगा

उज्जैन। माधव साइंस कॉलेज, उज्जैन के सेवानिवृत्त प्रोफेसर डॉ शीलचंद जैन कैलाशी की धर्मपत्नी श्रीमती शोभा जैन (79) का आज 15 फरवरी को इंदौर में निधन हो गया। वे कुछ समय से अस्वस्थ थीं। पूर्व में उन्हें उज्जैन के निजी अस्पताल में भर्ती किया गया था, जहां से बेहतर उपचार के लिए उन्हें इंदौर के अस्पताल में शिफ्ट किया गया था। शनिवार शाम उन्होंने अंतिम सांस वहीं ली। श्रीमती हैं की अंतिम यात्रा निज निवास एफएम 19, स्कीम नंबर 94, वर्ल्ड कप चौराहा, पिपलियाहाना, इंदौर से 16 फरवरी को प्रातः 10:00 बजे तिलक नगर मुक्ति धाम, इंदौर जाएगी।

गढ़कालिका में 552 कुमकुम पूजा से मंदिर को 1 लाख 38 हजार की आय

उज्जैन। उज्जैन के प्रसिद्ध गढ़कालिका मंदिर में दर्शन के लिए हजारों श्रद्धालु उमड़ रहे हैं। इनमें कई श्रद्धालु अपनी मनोकामना के चलते मां गढ़कालिका के दरबार में कुमकुम पूजा संपन्न कराते हैं। मंदिर समिति के प्रबंधक मूलचंद जाटवा ने बताया कि इस हफ्ते 9 से 15 फरवरी के बीच शासकीय पुजारी महंत करिश्मानाथ की बैठक के दौरान कुल 552 कुमकुम पूजा कराई गई जिससे मंदिर समिति को 1 लाख 38 हजार रुपए की आय हुई है। मंदिर समिति प्रति श्रद्धालु से इस पूजन की 250 रुपए की शासकीय रसीद काटती है। मंदिर की शासकीय पुजारी महंत करिश्मा नाथ ने बताया कि मां गढ़कालिका के दरबार में कुमकुम पूजा का खास महत्व है। पूजा से प्रसन्न होकर मां भक्तों को आशीर्वाद देती है।

मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव ने उज्जैन में महासंगम यात्रा का भव्य स्वागत किया

भक्तों ने किए महाकाल स्वयंभू ज्योतिर्लिंग के दर्शन, इसके बाद हुआ प्रेस वार्ता का आयोजन

उज्जैन। मध्य प्रदेश अंतरराष्ट्रीय मंदिर प्रबंधक परिषद एवं भगवा ऐप द्वारा आयोजित महासंगम यात्रा अब अपने दिव्य आध्यात्मिक सफर में एक और ऐतिहासिक पड़ाव पर पहुंच गई है। 15 फरवरी को उज्जैन आगमन पर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव ने यात्रा का अपने निवास पर भव्य स्वागत किया और श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं देते हुए यात्रा को ओंकारेश्वर के लिए हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस शुभ अवसर पर श्रद्धालुओं ने महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग, काल भैरव मंदिर, मंगलनाथ मंदिर और माँ गढ़ कालिका शक्तिपीठ के दर्शन किए। महाकाल की भस्म आरती में शामिल होकर भक्तों ने भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त किया।

मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव का संदेश

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव जी ने कहा, महासंगम यात्रा भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक परंपराओं को जीवंत करने का एक ऐतिहासिक प्रयास है। उज्जैन, जो स्वयं धर्म और अध्यात्म की पवित्र भूमि है, इस यात्रा का साक्षी बनकर गौरवान्वित महसूस कर रहा है। मैं सभी श्रद्धालुओं को अपनी शुभकामनाएं देता हूँ और प्रार्थना करता हूँ कि भगवान महाकाल की कृपा से यह यात्रा धर्म और संस्कारों की अखंड ज्योति को पूरे देश में प्रकाशित करे।

महासंगम यात्रा के उज्जैन आगमन पर एक विशेष प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया, जिसे के कार्यकारी अध्यक्ष श्री राजेश यादव और राष्ट्रीय महामंत्री श्री दीप सिहाग सिसाय ने संबोधित किया। उन्होंने महासंगम यात्रा के उद्देश्यों, सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार और मंदिरों के पुनर्जागरण पर विस्तार से चर्चा की। इस दौरान उन्होंने बताया कि यह यात्रा भारतीय संस्कृति के संरक्षण के साथ-साथ धार्मिक स्थलों के आधुनिकीकरण और आध्यात्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

पत्रकारों से बातचीत के दौरान, के पदाधिकारियों ने मंदिरों के जीर्णोद्धार, डिजिटल टूरिज्म, और युवा पीढ़ी को सनातन धर्म से जोड़ने के अभियान पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने यह भी बताया कि उज्जैन के बाद महासंगम यात्रा ओंकारेश्वर, मथुरा-वृंदावन, हरिद्वार, ऋषिकेश, उखीमठ होते हुए 21 फरवरी 2025 को दिल्ली में संपन्न होगी।

महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग- शिवभक्ति का केंद्र

उज्जैन स्थित महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग का विशेष महत्व है। यह एकमात्र ऐसा ज्योतिर्लिंग है जो दक्षिणमुखी स्वरूप में विराजमान है और जिसे स्वयं भगवान शिव ने स्वयंभू रूप में प्रकट किया था। यह मंदिर तंत्र-मंत्र साधना का भी प्रमुख केंद्र माना जाता है, जहां भक्तगण महाकाल से जीवन की सभी बाधाओं को दूर करने और सुख-समृद्धि का वरदान पाने की प्रार्थना करते हैं।

हायर पेंशन के 124 पीपीओ एवं 1825 डिमांड लेटर जारी

उज्जैन। ईपीएफओ कार्यालय उज्जैन द्वारा 2930 हायर पेंशन आवेदनों पर कार्यवाही की गई जिसमें से 2712 आवेदन स्वीकृती योग्य प्राप्त हुए। 218 आवेदनों पर नियोक्ता द्वारा अनुमति दी जाना शेष है। आज तक कुल हायर पेंशन के 124 पीपीओ जारी किए गए हैं। 15 मामलों में सहमति प्राप्त हुई है। कुल 1825 डिमांड लेटर जारी किए गए हैं।

जिला मीडिया प्रभारी गुलशन मंसूरी ने बताया कि हायर पेंशन डिमांड लेटर एवं पीपीओ जिन संस्थाओं को जारी किए गए हैं उन संस्थानों में प्रमुख रूप से उज्जैन दुग्ध संघ ग्रासिम इंडस्ट्रीज इप्का लैबोरेट्रीज, जिला सहकारी बैंक मंदसौर शाजापुर उज्जैन आदि है। इनके साथ ही मध्य प्रदेश रोडवेज, उज्जैन विकास प्राधिकरण एवं अल्ट्राटेक सीमेंट आदि संस्थाओं के सदस्यों को भी उक्त लाभ प्रदान किया गया है। शीघ्र ही शेष सभी आवेदन कर्ताओं को भी हायर पेंशन पीपीओ एवं डिमांड लेटर जारी कर दिए जाएंगे। उपरोक्त हायर पेंशन मामलों में सदस्यों को तीन से पांच गुना पेंशन में बढ़ोतरी हुई है। साथ ही अधिकांश सदस्यों को उनके द्वारा जमा की गई नगद राशि का एरियर सहित भुगतान भी प्राप्त हो गया है जो कि उनके द्वारा जमा की गई राशि से अधिकांश को अधिक ही मिला है। जिससे सभी पेंशनर्स में हर्ष व्याप्त है। उक्त सफलता असंगठित श्रमकार मंडल के पूर्व अध्यक्ष सुल्तान सिंह शेखावत के प्रयासों से संभव हुई। इतनी अधिक संख्या में डिमांड लेटर एवं पीपीओ जारी करने में ईपीएफओ के उज्जैन कार्यालय को सफलता प्राप्त हुई है इसका श्रेय ईपीएफओ आयुक्त उज्जैन को एवं उनके स्टाफ को भी जाता है।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com